शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 283 | गुवाहाटी | बुधवार, 20 मई, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमावर्ती इलाकों से पीएलए यूएनएलएफ और ... पेज 2
गुवाहाटी में शुरू होगी वाटर मेट्रो सेवा : सर्बानंद सोनोवाल पेज 3
राजस्थान सेमीकंडक्टर हब बनने की राह पर भिवाड़ी में प्रदेश का पहला हाईटेक... पेज 5
फीफा विश्वकप 2026 के लिए ब्राजील टीम का एलान, नेमार की वापसी पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

भलाई करना कर्तव्य नहीं, आनंद है, क्योंकि वह तुम्हारे स्वास्थ्य और सुख की वृद्धी करता है।
–जरथुष्ट्र

न्यूज गैलरी

रिनिकी मामले में रणदीप सुरजेवाला को पुलिस का समन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला को समन जारी कर 23 मई को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा है। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज कराए गए मामले के संबंध में की गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

पहली बार असम विस में मियां समुदाय से होगा नेता प्रतिपक्ष!

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा में स्वतंत्रता के बाद पहली बार मियां समुदाय (बांग्लादेशी मुस्लिम) से नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने की संभावना को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी के भीतर इस मुद्दे पर लगातार मंथन चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर पार्टी विधायकों से राय ले रहे हैं। बताया गया -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-नॉर्डिक देशों ने आतंकवाद पर नो कम्प्रोमाइज नो डबल स्टैंडर्ड का दिया संदेश : मोदी

ओस्लो (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वैस्विक तनाव और संघर्ष के मौजूदा दौर में भारत और नॉर्डिक देश नियम-आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूत करने तथा आतंकवाद के खिलाफ *नो कम्प्रोमाइज, नो डबल स्टैंडर्ड* की नीति पर एकजुट हैं। प्रधानमंत्री ने नॉर्डिक देशों के नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि यूक्रेन, पश्चिम एशिया और अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्षों के बीच भारत और नॉर्डिक देश शत्रुता की शीघ्र समाप्ति तथा स्थायी शांति के प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार आवश्यक भी है और अत्यंत जरूरी भी। मोदी ने कहा कि लोकतंत्र, कानून के शासन और बहुपक्षवाद के प्रति साझा प्रतिबद्धता भारत और नॉर्डिक देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। प्रौद्योगिकी और स्थिरता के क्षेत्र में साझा प्राथमिकताएं दोनों पक्षों के बीच सहयोग के व्यापक अवसर पैदा कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आठ वर्ष पहले भारत-नॉर्डिक प्रारूप की स्थापना की गई थी और पिछले कुछ वर्षों में संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत और नॉर्डिक देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग चार गुना बढ़ा है, जबकि नॉर्डिक देशों से भारत में निवेश में करीब 200 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि नॉर्डिक देशों के निवेश फंड भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भागीदार बन रहे हैं और तेजी से बढ़ते व्यापार तथा निवेश ने भारत के साथ-साथ नॉर्डिक देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी सकारात्मक योगदान दिया है तथा हजारों नई नौकरियां पैदा की हैं। मोदी ने कहा कि अक्तूबर 2025 से नॉर्वे, आइसलैंड और अन्य ईएफटीए देशों के साथ व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौता लागू किया गया है। इसके अलावा हाल ही में भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता भी हुआ है, जिसमें डेनमार्क, फिनलैंड और स्वीडन भागीदार हैं। इन महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों से भारत-नॉर्डिक संबंधों में एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और नॉर्डिक देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत स्वीडन की उन्नत विनिर्माण और रक्षा क्षमताओं, फिनलैंड की दूरसंचार और डिजिटल तकनीक तथा डेनमार्क की साइबर सुरक्षा और हेल्थ-टेक विशेषज्ञता को भारत की प्रतिभा के साथ जोड़कर दुनिया के लिए भरोसेमंद समाधान विकसित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और नवाचार दोनों पक्षों की साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ है और विश्वविद्यालयों, प्रयोगशालाओं तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम के बीच संबंध मजबूत करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही आर्कटिक और ध्रुवीय अनुसंधान, कौशल विकास और प्रतिभा आदान-प्रदान के क्षेत्र में भी सहयोग को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई नॉर्डिक भाषाओं में *संबंध* शब्द का अर्थ जुड़ाव, संबंध और बंधन होता है तथा हिंदी में भी इसका अर्थ यही है। यह केवल शब्दों की समानता नहीं बल्कि साझा विचारों और निकटता का प्रतीक है।

जल शक्ति मंत्रालय ने पूर्वोत्तर में जल प्रबंधन और पुनर्वास रणनीतियों की समीक्षा की

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्वोत्तर क्षेत्रीय जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान (एनईआरआईवाल्म) की शासी निकाय की छठी बैठक में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने संस्थान की वार्षिक प्रतिवेदन और वित्त वर्ष 2024-25 के लेखा परीक्षण को मंजूरी दी और सिंचाई क्षेत्र प्रयोगशाला और प्रदर्शन फार्म की स्थापना का प्रस्ताव रखा। असम के गुवाहटी में हुई इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने की। उन्होंने बैठक से पहले संस्थान के नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास-सह-अतिथि गृह का वर्चुअल उद्घाटन किया और कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिक जल प्रबंधन, क्षमता निर्माण और राज्यों की अधिक भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि मंत्रालय एनईआरआईवाल्म को जल और भूमि प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में बताया गया कि संस्थान ने प्रशिक्षण लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की है। वर्ष के दौरान 71 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे 2,800 से अधिक प्रतिभागी लाभान्वित हुए। साथ ही एमटेक और पीएचडी पाठ्यक्रमों को भी जारी रखा गया। बैठक में बाहरी वित्तपोषित परियोजनाओं की भूमिका पर भी विचार किया गया, जिनमें असम में टिकाऊ सिंचाई विकास, ब्रह्मपुत्र जल मोड़ के आर्थिक प्रभाव, जल संचयन योजना और पूर्वोत्तर भारत की पारंपरिक जल प्रबंधन पद्धतियों पर अध्ययन शामिल हैं। शासी निकाय ने संस्थान के संविधान में संशोधन पर भी चर्चा की। इसमें उपलब्धि समीक्षा समिति की बैठक हर -शेष पृष्ठ दो पर

ईंधन की बढ़ती कीमतों के मद्देनजर राज्य के परिवहन मंत्री ने लोगों से बसों और ट्रेनों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया

गुवाहाटी। असम के परिवहन मंत्री चरण बोड़ो ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए लोगों से निजी वाहनों का उपयोग कम करने और सार्वजनिक परिवहन पर अधिक निर्भर रहने की अपील की। विभाग का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद प्रेस से बात करते हुए, चरण बोड़ो ने कहा कि लोगों को मौजूदा स्थिति में ईंधन की खपत को कम करने के लिए सामूहिक प्रयास करने चाहिए और जहां भी संभव हो, निजी वाहनों का उपयोग करने के बजाय बसों और ट्रेनों का विकल्प चुनना चाहिए। मंत्री ने कहा कि जनता को भी स्थिति के बारे में सोचना चाहिए। अगर लोग निजी वाहनों के बजाय बसों और ट्रेनों का इस्तेमाल करें, भले ही थोड़ी मात्रा में ही सही, तो इससे हमें मौजूदा परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार यात्रियों पर दबाव कम करने और राज्य भर में सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं में सुधार करने के उपायों की समीक्षा कर रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

चिकन नेक कॉरिडोर की सुरक्षा को लेकर गंभीर बंगाल सरकार केंद्र को देगी 120 एकड़ जमीन

कोलकाता। बंगाल की नई भाजपा सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा और रणनीतिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माने जाने वाले उत्तर बंगाल में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण *चिकन नेक* कॉरिडोर (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) क्षेत्र में लगभग 120 एकड़ जमीन केंद्र सरकार को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सिलीगुड़ी कॉरिडोर, जिसे आमतौर पर चिकन नेक कहा जाता है, भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ने वाला बेहद संकरा भूभाग (गलियारा) है। यह इलाका रणनीतिक रूप से इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसके आसपास बांग्लादेश, नेपाल और भूटान की सीमाएं स्थित हैं, जबकि चीन सीमा की दूरी भी अपेक्षाकृत कम है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉरिडोर के कुछ हिस्सों की चौड़ाई महज 20 से 22 किलोमीटर है, जिससे किसी भी सैन्य या भू-राजनीतिक संकट की स्थिति में यह क्षेत्र संवेदनशील बन जाता है। यही कारण है कि भारतीय सुरक्षा रणनीति और रक्षा योजनाओं में चिकन नेक कॉरिडोर की अहम भूमिका रही है। बताया जा -शेष पृष्ठ दो पर

ई-फार्मेसी के विरोध में आज देश भर में दवा विक्रेताओं की हड़ताल

नई दिल्ली (हि.स.)। ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को केमिस्ट, फार्मासिस्ट और दवा वितरकों का प्रतिनिधित्व करने वाले ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स देशभर में हड़ताल पर रहेंगे। संस्था का कहना है कि यह विरोध ई-फार्मेसी और इंस्टेंट मेडिसिन डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स के लिए बने नियमों में मौजूद खामियों की तरफ केंद्र सरकार का ध्यान खींचने के लिए यह हड़ताल किया जा रहा है। एआईओसीडी का दावा है कि इन कमियों की वजह से ऑनलाइन फार्मेसी कंपनियां पर्याप्त निगरानी के बिना काम -शेष पृष्ठ दो पर

कभी भी गिर सकती है विजय सरकार

चुनाव के लिए तैयार रहें डीएमके कार्यकर्ता : स्टालिन

नई दिल्ली। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन का मानना है कि अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार कभी भी गिर सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने डीएमके कार्यकर्ताओं से जल्द चुनाव के लिए तैयार रहने का आग्रह भी किया है। अपनी 107 सीटों और सहयोगी कांग्रेस की 5 सीटों के साथ टीवीके को फिलहाल डीएमके -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत आ रहे हैं पुतिन

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। दक्षिण अफ्रीका में रूसी दूतावास के एक बयान के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आने वाले हैं। क्रेमलिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने पुष्टि की -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली बनेगा विश्वस्तरीय यातायात व्यवस्था का उदाहरण : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना नियंत्रित प्रवेश राजमार्ग परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में भाजपा सरकार बनने के बाद दिल्ली को यातायात दबाव और जाम की समस्या से मुक्त करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई गई थी। इसके तहत नए नियंत्रित राजमार्गों, रिंग रोडों, सुरंगों के माध्यम से दिल्ली को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। इससे ईंधन की बचत होगी, प्रदूषण कम होगा, -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

खतरनाक कुत्तों को दें मौत का इंजेक्शन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को दूसरी जगह भेजने और उनकी नसबंदी से जुड़े, 7 नवंबर 2025 के अपने आदेश में बदलाव या उसे वापस लेने की सभी अर्जियों और याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने आवारा पशुओं को लेकर भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं की वैधता को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की दिशा में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से लगातार प्रयास नहीं किए गए हैं। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि हम देश के अलग-अलग हिस्सों से आ रही उन खबरों से आंख नहीं फेर सकते, जिसमें बच्चों और बुजुर्गों पर हमले हुए हैं। अदालत ने कहा कि आम नागरिक सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित रह गए हैं और अंतर्राष्ट्रीय यात्री -शेष पृष्ठ दो पर

फलता विस सीट पर पुनर्मतदान से हटा तृणमूल उम्मीदवार, पार्टी ने बनाई दूरी

कोलकाता (हि.स.)। दक्षिण 24 परगना जिले की फलता विधानसभा सीट पर 21 मई को होने वाले पुनर्मतदान से ठीक दो दिन पहले तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार जहांगीर खान के चुनावी मैदान से हटने की घोषणा ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया भूचाल ला दिया है। अपने आक्रामक तेवर और *पुष्पा झुकेगा नहीं* वाली छवि के कारण चर्चा में रहने वाले जहांगीर खान के अचानक पीछे हटने से राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जहांगीर खान ने कहा कि वह फलता पुनर्मतदान में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी द्वारा फलता के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा किए जाने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया है। जहांगीर ने खुद को *फलता का भूमिपुत्र* बताते हुए कहा कि वह क्षेत्र में शांति और विकास चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने फलता के विकास के लिए विशेष पैकेज की घोषणा की है। मैं चाहता हूं कि क्षेत्र आगे बढ़े और शांतिपूर्ण वातावरण बना रहे। इसी वजह से मैंने पुनर्मतदान की प्रक्रिया से खुद को अलग करने का फैसला किया है। हालांकि जहांगीर खान के इस फैसले के तुरंत बाद ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने उनसे दूरी बना ली। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बयान जारी कर कहा कि चुनाव से हटने का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमावर्ती इलाकों से पीएलए यूएनएलएफ और केवाईकेएल के कई उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में सुरक्षा बलों और केंद्रीय एजेंसियों ने उग्रवाद विरोधी अभियान तेज करते हुए प्रतिबंधित संगठनों पीएलए, यूएनएलएफ और केवाईकेएल से जुड़े कई सक्रिय उग्रवादियों को भारत-म्यांमार सीमावर्ती इलाकों के अलग-अलग जिलों से बीते 24 घंटे में गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने मंगलवार को दी गई आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि केंद्रीय बलों ने तेंगनौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र में बीपी(बॉर्डर पिलर)-77 और बीपी-79 के बीच अभियान चलाकर पीएलए के तीन सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान थोउबल जिले के चरंगपत निवासी वांगथोई नाहाकपम उर्फ लिंगजेल (20), इंफाल पूर्व जिले के कोंगबा निवासी नानाओबा नांदेइबाम उर्फ अंगौ (19) तथा बिष्णुपुर जिले के नाम्बोल निवासी मालेम ओइनाम उर्फ मणिथोइबा (20) के रूप में हुई है। वहीं, सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय सदस्य चिंगलेन अथोकपम उर्फ इबुंगो (30) को भी गिरफ्तार किया। वह इंफाल पूर्व जिले के लामलाई थाना क्षेत्र स्थित पुंगडोंगबाम मयाई लेकाई का निवासी है। वहीं, एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने थोउबल जिले के यैरिपोक थाना क्षेत्र अंतर्गत यैरिपोक बाजार इलाके में अभियान चलाकर यूएनएलएफ (कोइरेंग) के सक्रिय उग्रवादी थांगजाम धमेंद्र सिंह उर्फ वायेनबा उर्फ वॉल्यूम (26) को गिरफ्तार किया। वह अवैध हथियार और गोला-बारूद की तस्करी में संलिप्त बताया गया है। उसके कब्जे से एक 9 एमएम मैगजीन, एक मोबाइल फोन के साथ दो सिम कार्ड, एक पावर बैंक एवं यूएसबी केबल तथा एक एटीएम कार्ड बरामद किया गया। इसके अलावा इंफाल पश्चिम जिले के लामफेल थाना क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों से केवाईकेएल के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों में इराम सिफाई मामांग लेकाई निवासी सोरोख्हाइबाम प्रियचंद सिंह उर्फ सजाओ (39) तथा उरीपोक ताखेल्लामबाम लेकाई निवासी मोइरंगथेम नाओबी सिंह (47) शामिल हैं। प्रियचंद सिंह को रिम्स के निकट से जबकि नाओबी सिंह को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने इनके पास से दो मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड भी बरामद किया है।

जदयू के विधायक पप्पू पांडेय को जमीन कब्जा मामले में 27 तक मिली राहत

गोपालगंज (हिंस)। बिहार के गोपालगंज जिले में चर्चित 16 एकड़ जमीन कब्जा मामले में मंगलवार को व्यवहार न्यायालय स्थित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-3) सह एमपी-एमएलए की विशेष अदालत ने कुचायकोट से जदयू विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय को राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर लगी रोक को 27 मई तक बरकरार रखा है। वहीं, इस मामले में नामजद अन्य आरोपियों सतीश पांडेय और चार्टर्ड अकाउंटेंट राहुल तिवारी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। यह मामला कुचायकोट थाना क्षेत्र के बेलवा गांव में 16 एकड़ जमीन पर कथित अवैध कब्जे से जुड़ा है, जो पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि जमीन पर जबरन कब्जा करने के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई थी। मामले में यह भी आरोप लगाया गया है कि कथित भू-माफियाओं को विधायक पप्पू पांडेय, उनके भाई सतीश पांडेय और सीए राहुल तिवारी का संरक्षण प्राप्त था।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 183PSC/CON/Exam-06/2025-2026

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 19th May, 2026, the results of the Screening Test (OMR based) for recruitment to the post of **Assistant Engineer (Civil) under water Resources Department. (Advt. No. 13/2025 Dated 10.04.2025)** conducted by the Commission on 11/01/2026. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear in the Interview/Viva-Voce to be conducted by the Commission. The date of Interview will be notified shortly.

Roll Number of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally) :

10076	10095	10109	10116	10122	10127	10199	10234	10279	10283
10301	10311	10337	10342	10344	10396	10417	10418	10461	10464
10466	10476	10494	10529	10557	10590	10602	10638	10645	10688
10689	10697	10704	10749	10763	10765	10781	10789	10796	10806
10815	10816	10818	10834	10839	10841	10842	10854	10871	10872
10876	10893	10910	10914	10925	10933	10938	10948	10975	10978
10991	11003	11017	11077	11080	11090	11098	11110	11120	11134
11138	11139	11141	11180	11186	11202	11204	11216	11227	11236
11244	11245	11248	11255	11259	11294	11312	11323	11329	11357
11391	11392	11398	11445	11462	11464	11480	11481	11517	11522
11551	11559	11568	11578	11588	11594	11619	11625	11634	11647
11650	11659	11663	11671	11685	11716	11761	11793	11794	11870
11872	11910	11926	11946	12002	12012	12017	12036	12062	12068
12069	12074	12076	12078	12105	12108	12117	12133	12140	12150
12165	12186	12191	12200	12206	12217	12249	12265	12282	12286
12352	12359	12382	12426	12427	12447	12452	12473	12492	12503
12504	12510	12536	12548	12549	12569	12575	12576	12592	12596
12597	12618	12630	12680	12681	12710	12728	12734	12735	12761
12802	12804	12806	12814	12820	12856	12869	12914	12925	12979
12990	13051	13058	13061	13069	13071	13075	13107	13124	13144
13161	13170	13228	13239	13258	13260	13271	13308	13347	13355
13363	13391	13392	13393	13412	13436	13454	13458	13469	13470
13471	13474	13475	13483	13484	13485	13487			

NB : Results may be accessed through the APSC's website www.apsc.nic.in

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-17/20-May-26

तीन दिवसीय डोगरी-राजस्थानी अनुवाद कार्यशाला 21 से

जोधपुर (हिंस)। साहित्य अकादमी एवं जेएनवीयू के राजस्थानी विभाग के सयुंक्त तत्वावधान डोगरी-राजस्थानी अनुवाद तीन दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन गुरुवार को सुबह 10.30 बजे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के अतिथि गृह सभागार में होगा। डोगरी-राजस्थानी अनुवाद कार्यशाला के संयोजक एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि 21 से 23 मई के अंतर्गत तीन दिवसीय राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला का उद्घाटन सत्र साहित्य अकादमी में राजस्थानी परामर्श मंडल के संयोजक एवं ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण की अध्यक्षता में होगा। इस अवसर पर जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) पवन कुमार शर्मा मुख्य अतिथि होंगे। डोगरी भाषा के ख्यातनाम कवि-आलोचक पद्मश्री डॉ. मोहनसिंह मुख्य वक्ता होंगे। तीन दिवसीय राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला में डोगरी-राजस्थानी भाषा के प्रतिष्ठित रचनाकारों में डॉ. सरिता खजूरिया जम्मू-कश्मीर, डॉ. सुषमा रानी जम्मू-कश्मीर, मधु आचार्य बीकानेर, डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित जोधपुर, डॉ. प्रकाशदान चारण बीकानेर, नंदू राजस्थानी टोंक तथा सूर्यकरण सोनी बांसवाड़ा भाग लेंगे। अनुवाद कार्यशाला में डोगरी भाषा में संकलित कविता संग्रह उच्ची डुआरी, खुल्ला समान में प्रकाशित डोगरी भाषा के 60 प्रतिष्ठित कवियों की कविताओं का राजस्थानी भाषा में अनुवाद किया जाएगा। इन कवियों में रामनाथ शास्त्री, दीनू भाई पंत, किशन स्मैलपुरी, परमानंद, केहरसिंह मधुकर, वेदपाल दीप, पदमा सचदेव, यश शर्मा, मोहनलाल समोलिया, तारा स्मैलपुरी, चरणसिंह, कुंवर वियोगी, शिवराम दीप, कुलदीपसिंह जिन्दाहिया, अश्विनी मंगोत्रा, ज्ञानेश्वर, वेदराही, नरसिंहदेव जम्बाल, ध्यानसिंह, दर्शन दर्शी, जितेन्द्र उधमपुरी, प्रकाश प्रेमी, ओम गोस्वामी, मोहनसिंह, अरविन्द, पूरनचन्द्र शर्मा, शमशेरसिंह, अभिशाप, बालकराम बराल प्रमुख शामिल हैं।

गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र बोर्ड की 14वीं उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में मंगलवार को ब्रह्मपुत्र बोर्ड की 14वीं उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल तथा केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मंत्रीगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया और विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सुझाव साझा किए। चर्चा के दौरान ब्रह्मपुत्र एवं बराक बेसिन के सतत विकास, बाढ़ एवं कटाव नियंत्रण, डिजिटल परिवर्तन तथा जल संसाधन प्रबंधन को मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को भी प्रस्तुत किया गया, ताकि सामुदायिक भागीदारी आधारित जल प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के जल संसाधनों के समग्र एवं सतत विकास के लिए प्रतिबद्धता दोहराई गई। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य किए जाने की बात कही गई।

पृष्ठ एक का शेष

जल शक्ति मंत्रालय...

तीन वर्ष में कराने का प्रस्ताव और तकनीकी सलाहकार समिति का नाम बदलकर शैक्षणिक सलाहकार समिति करने का सुझाव शामिल था। बैठक में एम.टेक. और पीएच.डी. छात्रों के लिए छात्रवृत्ति सहायता, संकाय विकास, अनुसंधान क्षमता सुदृढ़ीकरण तथा जल संसाधन प्रबंधन में जलवायु और जीआईएस आधारित अनुप्रयोगों पर अध्ययन को आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में ब्रह्मपुत्र घाटी में कटाव प्रभावित परिवारों की आजीविका चुनौतियों पर किए गए अध्ययन की समीक्षा की गई और विस्थापित समुदायों के लिए टिकाऊ पुनर्वास और आजीविका हस्तक्षेपों पर विचार किया गया।

ईंधन की बढ़ती कीमतों ...

बोड़ो ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने आधिकारिक काफिलों और विभागीय यात्राओं की अनावश्यक आवाजाही को कम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईंधन बचाने और यात्रा कम करने के लिए अब कई विभागीय बैठकें ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं। मंत्रियों के काफिले और जिला दौरे भी कम कर दिए गए हैं। विभागीय बैठकें भी ऑनलाइन आयोजित की जा सकती हैं। इसी तरह, ईंधन की ऊंची कीमतों के इस दौर में लोग निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करने के बारे में भी सोच सकते हैं, बोड़ो ने कहा। मंत्री ने आगे कहा कि विभाग के साथ जल्द ही चर्चा की जाएगी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से परामर्श करके आगे की दिशा-निर्देश लिए जाएंगे। मंत्री जी ने कहा कि उन्होंने हाल ही में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया है और अभी तक अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठकें नहीं की हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वह विभाग के संचालन की समीक्षा शुरू करेंगे और मौजूदा परिवहन बुनियादी ढांचे और नीतियों की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि मैंने कल ही पदभार संभाला है। मैंने अभी तक विस्तृत बैठकें नहीं की हैं, लेकिन मैं सब कुछ की समीक्षा करूंगा और मुद्दों पर चरणबद्ध तरीके से काम करना शुरू करूंगा। शहर की सड़कों पर वाहनों की बढ़ती संख्या का जिक्र करते हुए, बोड़ो ने यातायात जाम के बारे में चिंताओं को स्वीकार किया और कहा कि सरकार नहीं चाहती कि यात्रियों को बसों और निजी वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण होने वाले अत्यधिक यातायात जाम से परेशानी हो। हम ऐसी स्थिति नहीं चाहते जहां शहर में यातायात जाम के कारण यात्रियों को परेशानी हो। हम नियम बनाएंगे और स्थिति को ठीक से संभालने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे, बोड़ो ने आगे कहा।

ई-फार्मेसी के विरोध ...

कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि देशभर में करीब 7-8 लाख मेडिकल स्टोर हैं, जो बंद रह सकते हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि सभी फार्मेसी चेन और अस्पताल फार्मेसी स्टोर, जन औषधि स्टोर, अमृत फार्मेसी स्टोर कल खुले रहेंगे। इसके अलावा कई राज्य और केमिस्ट एसोसिएशन भी हड़ताल से हट चुके हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के महासचिव राजीव सिंघल ने बताया कि यह हड़ताल लोगों को परेशान करने के लिए नहीं बल्कि सरकार को अपनी बात पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। एसोसिएशन ने इस बारे में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, गृह मंत्रालय को चिट्ठी लिखी लेकिन किसी ने भी संस्था की बातों पर गौर नहीं किया। राजीव ने बताया कि ई-फार्मेसी और इंस्टेंट डिलीवरी ऐप्स गलत या फर्जी प्रिस्क्रिप्शन पर भी दवाइयां दे रहे हैं। इनके संचालन के लिए पारंपरिक मेडिकल स्टोर की तरह सख्त नियम बनाए जाने चाहिए।

चुनाव के लिए तैयार...

के चार सहयोगियों का समर्थन प्राप्त है, जिनमें से प्रत्येक के पास 2 सीटें हैं। इस प्रकार उसे बहुमत हासिल है। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को एआईएडीएमके के 25 बागी विधायकों का भी समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने पिछले हफ्ते विश्वास मत के दौरान सरकार के पक्ष में मतदान किया था। डीएमके सूत्रों का कहना है कि अगर उसके सहयोगी दल वीसीके, सीपीआई, सीपीएम और आईयूएमएल अपना समर्थन वापस लेने का फैसला करते हैं या अगर तमिलनाडु के स्पीकर या अदालतें एआईएडीएमके के बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर देती हैं तो राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। स्टालिन ने अपने जिला सचिवों से कहा है कि मौजूदा सरकार कभी भी गिर सकती है और पार्टी को कभी भी चुनावों के लिए तैयार रहना चाहिए। यह बताते हुए कि अतीत में चुनावी झटकों से डीएमके ने किस तरह वापसी की है, पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी से कहा कि वे एक बार फिर विजयी होंगे। पूर्व सीएम ने कहा कि यह हार अस्थायी है। मौजूदा सरकार कभी भी गिर सकती है। तैयार रहें। ऐसी संभावना है कि 2029 के लोकसभा चुनावों के साथ ही विधानसभा चुनाव भी दोबारा हो सकते हैं। हम वापसी करेंगे और फिर से जीतेंगे। सोमवार को डीएमके कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए स्टालिन ने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु में सूरज (डीएमके का चुनाव चिह्न) कभी अस्त नहीं होगा। हार की जिम्मेदारी लेते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इस असफलता के लिए जवाबदेही और जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं। उन्होंने पार्टी से सोशल मीडिया पर अपनी मौजूदगी बढ़ाने का भी आग्रह किया और इशारों-इशारों में यह भी कहा कि विजय की टीवीके इस मामले में काफी आगे है। स्टालिन ने कहा कि जिस राजनीति पर हम कभी चाय की दुकानों पर चर्चा करते थे, अब उस पर सोशल मीडिया हैंडल्स पर बात होनी चाहिए। स्टालिन ने चुनावी हार के कारणों का विश्लेषण करने और जनता से सीधे फीडबैक लेने के लिए 36 सदस्यों वाली एक समिति भी बनाई है। इस कदम को जमीनी स्तर पर विश्वास फिर से जगाने और यह पता लगाने की एक कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है कि पार्टी का समर्थन कहां कम हुआ।

पश्चिम एशिया संकट ...

कि पुतिन नई दिल्ली में होने वाले इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मौजूदा भू-राजनीतिक तनावों और ब्रिक्स समूह के भीतर बढ़ते सहयोग के बीच यह एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक जुड़ाव है। दक्षिण अफ्रीका में रूसी दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। इस यात्रा के दौरान पुतिन के कार्यक्रम और द्विपक्षीय बैठकों से जुड़ी और जानकारियों का अभी इंतजार है।

दिल्ली बनेगा विश्वस्तरीय ...

माल परिवहन व्यवस्था अधिक सक्षम बनेगी और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, अजय टम्टा, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी तथा पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी भी उपस्थित रहे। गडकरी ने कहा कि नए नियंत्रित राजमार्गों, रिंग रोडों, सुरंगों और ऊपरी गलियारों के माध्यम से दिल्ली को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जा रहा है। विकास परियोजनाओं की लागत बढ़ने के बावजूद कार्यों की गति कम नहीं हुई है और इनसे बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में दिल्ली में लगभग 1.60 लाख करोड़ रुपए की सड़क मूलभूत ढांचा परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अब तक लगभग 87 हजार करोड़ रुपए की लागत से 1050 किलोमीटर लंबाई के सड़क निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इसके अलावा 13 हजार करोड़ की लागत से 225 किलोमीटर लंबे मार्गों पर निर्माण कार्य जारी है। वहीं, 34,500 करोड़ रुपए की आगामी परियोजनाओं पर भी काम प्रस्तावित है। साथ ही 25 से 30 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली में यातायात दबाव कम करना, भीड़ और प्रदूषण घटाना, ईंधन की बचत करना, माल परिवहन लागत कम करना और तेज स्थानीय यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में नए प्राण फूंकने का कार्य केंद्र सरकार और नितिन गडकरी ने किया है। दिल्ली लंबे समय से यातायात और प्रदूषण की गंभीर समस्याओं से जूझ रही थी। यदि केंद्र सरकार और सड़क परिवहन मंत्रालय ने इतने बड़े स्तर पर नियंत्रित राजमार्गों तथा अन्य सड़क परियोजनाओं का निर्माण नहीं कराया होता तो दिल्लीवासियों के लिए हालात और अधिक कठिन हो जाते। पिछले 12 वर्षों में केवल दिल्ली के लिए लगभग 1.31 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं दी गई हैं, जिनसे राजधानी की यातायात व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को विश्वस्तरीय, हरित और टिकाऊ यातायात व्यवस्था का उदाहरण बनाने के लिए केंद्र ने जो प्रयास किए हैं, वे ऐतिहासिक हैं। इन परियोजनाओं ने न केवल यातायात दबाव को कम किया है, बल्कि प्रदूषण घटाने और ईंधन की बचत करने में भी मदद की है। डीएनडी-फरीदाबाद-सोहना नियंत्रित प्रवेश राजमार्ग परियोजना का निर्माण कार्य 11 जनवरी 2022 को शुरू हुआ था। इस लगभग नौ किलोमीटर लंबे हिस्से में 7.50 किलोमीटर लंबा ऊपरी गलियारा और 1.50 किलोमीटर सड़क सतह पर विकसित की जा रही है। परियोजना का सबसे जटिल हिस्सा आगरा नहर पर बनाया जा रहा 140 मीटर लंबा इस्पात नेटवर्क मेहराब पुल है। अधिकारियों के अनुसार यह पुल आधुनिक तकनीकों से तैयार किया जा रहा है, जिसमें इस्पात मेहराब ढांचा, परस्पर क्रॉस व्यवस्था वाले हैंगर केबल, टाई बीम, क्रॉस गर्डर तथा मिश्रित डेक पट्टिका शामिल हैं। पुल को भूकंप सुरक्षा, अधिक मजबूती और दीर्घकालिक उपयोग को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही इस परियोजना की कुल लंबाई लगभग 59.063 किलोमीटर है और इसकी अनुमानित लागत लगभग 4463 करोड़ रुपए है। यह छह लेन नियंत्रित प्रवेश राजमार्ग दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोहना को जोड़ते हुए दिल्ली-मुंबई राजमार्ग तथा आगामी नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जेवर तक निर्बाध संपर्क उपलब्ध कराएगा। परियोजना पूरी होने के बाद यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, यातायात प्रवाह बेहतर होगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

खतरनाक कुत्तों को ...

भी ऐसी घटनाओं का शिकार हुए हैं। अदालत ने कहा कि हर जिले में कम से कम एक पूरी तरह से काम करने वाला एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी एबीसी सेंटर बनाना सुनिश्चित किया जाए। इसमें जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, सर्जिकल सुविधाओं और सहायक लॉजिस्टिक्स सुनिश्चित किया जाएगा। हर कर्मचारी को प्रशिक्षित किया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन निर्देशों को लागू करने के लिए सभी जरूरी उपाय करने होंगे और उन्हें बिना किसी देरी के इन निर्देशों का अक्षरशः और भावना के साथ पालन करना होगा। अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आदेश दिया है कि सभी सरकारी चिकित्सा केंद्रों में एंटी-रेबीज वैक्सीन और इम्यूनोग्लोबुलिन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हों। राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की समस्या से निपटने के लिए भी इंतजाम किया जाएगा। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में जहां कुत्ते लाइलाज रूप से बीमार, रेबीज से पीड़ित या स्पष्ट रूप से खतरनाक व आक्रामक हों, तो मानव जीवन और सुरक्षा के लिए उत्पन्न खतरे को प्रभावी ढंग से समाप्त करने हेतु उन्हें पशु जन्म नियंत्रण नियमों और अन्य लागू वैधानिक प्रोटोकॉल के अनुसार मारने पर विचार कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस कोर्ट के निर्देशों को लागू करने के लिए जिन संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, वह अपने कामों और सरकारी कामों को अच्छी नीयत से करने के लिए सही सुरक्षा के हकदार होंगे। कोर्ट ने कहा कि कोर्ट के निर्देशों को लागू करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोई एफआईआर या क्रिमिनल कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी। शीर्ष अदालत ने सभी हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि वे वे सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन हेतु *स्वत: संज्ञान* लें। उन्हें यह स्वतंत्रता होगी कि वे स्थानीय परिस्थितियों और तात्कालिक आवश्यकताओं को संबोधित करने हेतु ऐसे निर्देशों के दायरे का विस्तार या उन्हें आवश्यकतानुसार संशोधित कर सकें, लेकिन इसमें सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के मूल भाव और उद्देश्य को किसी भी प्रकार से कमजोर न किया जाए। संबंधित क्षेत्राधिकार वाले न्यायालयों को उन दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने को कहा गया है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अनुपालन न करने, निष्क्रियता बरतने, अथवा जानबूझकर निर्देशों की अवहेलना करने के लिए उत्तरदायी हैं। बता दें कि जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। कई अर्जियों पर विस्तार से सुनवाई करने के बाद, बेंच ने 29 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

फलता विस सीट पर ...

निर्णय पूरी तरह जहांगीर खान का निजी फैसला है और पार्टी का इससे कोई संबंध नहीं है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि 04 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से फलता क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ दमन का माहौल बनाया गया। पार्टी के अनुसार, 100 से अधिक तृणमूल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, कई पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई और कई दफ्तरों पर जबरन कब्जा कर लिया गया। पार्टी ने कहा कि भाजपा प्रशासन और एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक दबाव बना रही है। बयान में यह भी कहा गया कि भारी दबाव के बावजूद तृणमूल कार्यकर्ता मजबूती से डटे हुए हैं, हालांकि कुछ लोग परिस्थितियों के आगे झुकने को मजबूर हुए। इस पूरे घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जहांगीर खान पर तीखा हमला बोला। फलता में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि स्वयंभू पुष्पा कहां है? उसे पोलिंग एजेंट तक नहीं मिल रहे थे इसलिए मैदान छोड़कर भागे। जहांगीर खान ने मतदान से पहले पुलिस पर्यवेक्षक अजयपाल शर्मा को सार्वजनिक रूप से चुनौती दी थी और दावा किया था कि वह किसी दबाव में नहीं झुकेंगे। उनके समर्थकों ने इस *पुष्पा* छवि को जोरदार तरीके से प्रचारित किया था, जबकि विरोधी दल लगातार इसका मजाक उड़ाते रहे। फलता विधानसभा सीट पहले से ही इस चुनाव के सबसे विवादित क्षेत्रों में शामिल रही है। 29 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई बूथों पर ईवीएम के बटन पर इत्र, स्याही और चिपकाने वाले पदार्थ लगाए जाने समेत कई गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगे थे। भाजपा ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ बताते हुए पुनर्मतदान की मांग की थी। बाद में निर्वाचन आयोग ने मामले को गंभीर मानते हुए फलता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया। यह फैसला ऐसे समय में आया जब राज्य की बाकी 293 विधानसभा सीटों के परिणाम घोषित हो चुके थे और भाजपा पहली बार पश्चिम बंगाल की सत्ता में आई थी। फलता विधानसभा सीट डायमंड हार्बर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है, जिसका प्रतिनिधित्व अभिषेक बनर्जी करते हैं। यह क्षेत्र लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है। हालांकि नामांकन वापसी की समयसीमा समाप्त हो चुकी है, इसलिए जहांगीर खान का नाम अब भी ईवीएम में बना रहेगा। लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनके हटने की घोषणा का मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक असर पुनर्मतदान पर साफ दिखाई दे सकता है। उल्लेखनीय है कि फलता में 21 मई को मतदान होना है। चुनाव प्रचार अभियान आज शाम 5:00 बजे खत्म हो गया और 48 घंटे का साइलेंट पीरियड शुरू हो चुका है।

रिनिकी मामले में ...

सूत्रों के अनुसार, रिनिकी भुइयां शर्मा के खिलाफ कथित रूप से मनगढ़ंत और भ्रामक जानकारी फैलाए जाने के आरोपों की जांच के दौरान यह समन जारी किया गया। यह कार्रवाई कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से क्राइम ब्रांच द्वारा की गई लंबी पूछताछ के बाद सामने आई है। सूत्रों का दावा है कि पूछताछ के दौरान खेड़ा ने स्वीकार किया कि संबंधित जानकारी कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा उपलब्ध कराई गई थी। क्राइम ब्रांच अब कथित फर्जी सूचनाओं के प्रसार और उससे जुड़े संचार तंत्र की जांच कर रही है।

पहली बार असम ...

है कि उन्होंने प्रत्येक विधायक से व्यक्तिगत रूप से परामर्श किया है। इस संबंध में अब्बास सोभान अली सरकार ने कहा कि पार्टी उचित निर्णय लेगी और योग्य व्यक्ति को नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला कांग्रेस नेतृत्व द्वारा सामूहिक विचार-विमर्श के बाद लिया जाएगा। इस बयान के बाद असम की राजनीति में नए समीकरणों और संभावित नामों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

चिकन नेक कॉरिडोर की...

रहा है कि केंद्र सरकार के बार-बार अनुरोध के बावजूद इससे पहले राज्य में पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया लंबे समय तक अटकी थी। राज्य में हाल में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार ने इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाया है। यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के लिए देश की जीवनरेखा माना जाता है। सड़क, रेल, सैन्य आपूर्ति, व्यापारिक गतिविधियों और रसद संचालन के लिए यही मुख्य संपर्क मार्ग है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की भूमि उपलब्धता को राष्ट्रीय महत्व का विषय माना जाता है। हालांकि केंद्र सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं किया है कि इस जमीन का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाएगा, लेकिन माना जा रहा है कि यहां रक्षा ढांचा, लॉजिस्टिक्स हब, सुरक्षा प्रतिष्ठान, कनेक्टिविटी विस्तार या अन्य रणनीतिक परियोजनाएं विकसित की जा सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत और मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने के बाद राज्य सरकार केंद्र के साथ रणनीतिक समन्वय को तेज कर रही है। सत्ता संभालने के बाद से शुभेंदु सरकार प्रशासनिक फेरबदल, कानून-व्यवस्था, कथित भ्रष्टाचार मामलों की जांच और सुरक्षा संबंधी फैसलों पर लगातार सक्रिय दिखाई दे रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, चिकन नेक क्षेत्र में जमीन हस्तांतरण से भारत की सामरिक क्षमता और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। इस इलाके में सैन्य ढांचा और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क विकसित होने से सीमावर्ती इलाकों में सेना की त्वरित तैनाती और आपूर्ति व्यवस्था अधिक प्रभावी हो सकेगी। चीन और बांग्लादेश से जुड़े भू-राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए इस कॉरिडोर की सुरक्षा भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। यही कारण है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच इस दिशा में बढ़ता सहयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से एक बड़े कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार परबतझोरा का डीएफओ

कोकराझाड़ (हिंस)। असम में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मुख्यमंत्री की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने मंगलवार को कोकराझाड़ जिले के परबतझोरा वन प्रभाग के डीएफओ अभिनाश बसुमतारी को दो लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, एक ठेकेदार से लंबित बिल पास कराने के नाम पर डीएफओ अभिनाश बसुमतारी द्वारा रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक शाखा की टीम ने विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान अधिकारियों ने बसुमतारी को कथित रूप से दो लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। सूत्रों के मुताबिक, मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित अनियमितताओं की जानकारी जुटाने के लिए आरोपी अधिकारी से लगातार पूछताछ जारी है। राज्य सरकार की भ्रष्टाचार विरोधी कार्रवाई के तहत इस अभियान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गुवाहाटी में शुरू होगी वाटर मेट्रो सेवा : सर्बानंद सोनोवाल

गुवाहाटी (हिंस)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि गुवाहाटी को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी वाटर मेट्रो परियोजना के प्रथम चरण के लिए आधिकारिक रूप से चयनित किया गया है। सोनोवाल मंगलवार को गुवाहाटी के एक होटल में ब्रह्मपुत्र बोर्ड की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोच्चि वाटर मेट्रो की तर्ज पर विकसित की जा रही यह पर्यावरण अनुकूल जल परिवहन व्यवस्था शहरी यातायात को सुगम बनाने और सड़क जाम कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। परियोजना के प्रथम चरण में गुवाहाटी के अलावा श्रीनगर, पटना, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज को भी शामिल

किया गया है। वहीं, असम के तेजपुर और डिब्रूगढ़ को दूसरे चरण के लिए प्रस्तावित किया गया है। केंद्रीय मंत्रालय ने हाल ही में ड्राफ्ट नेशनल वाटर मेट्रो पॉलिसी-2026 जारी की है, जिसका उद्देश्य जल मेट्रो परियोजनाओं में पोतों की डिजाइन, चार्जिंग सुविधाओं और सुरक्षा तंत्र में एकरूपता लाना है। नीति में इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड फेरी सेवाओं को विशेष प्राथमिकता दी गई है ताकि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। इनलैंड वॉटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देशभर के 18 स्थानों पर व्यवहार्यता अध्ययन के लिए कोच्चि मेट्रो रेल लिमिटेड को जिम्मेदारी सौंपी थी। गुवाहाटी के लिए तैयार व्यवहार्यता रिपोर्ट की समीक्षा कर उसे मंजूरी भी दे दी गई है। सरकार का मानना है कि यह परियोजना पारंपरिक मेट्रो रेल प्रणालियों की तुलना में अधिक किफायती साबित होगी, क्योंकि इसमें पहले से उपलब्ध नौगम्य जलमार्गों का उपयोग किया जाएगा और अपेक्षाकृत कम बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी। इस परियोजना से गुवाहाटी में शहरी संपर्क व्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

असम वित्तीय निगम और राजस्थान वित्तीय निगम के बीच संयुक्त बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। दो दिवसीय असम दौरे पर आए राजस्थान वित्तीय निगम के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को पलटन बाजार स्थित वित्तीय भवन में असम वित्तीय निगम के साथ एक संयुक्त बैठक में भाग लिया। यह जानकारी निगम द्वारा आज दी गई। राजस्थान वित्तीय निगम की ओर से कार्यकारी निदेशक डॉ. हर सहाय मीणा, उप महाप्रबंधक रविंदर तथा उप प्रबंधक संजय असवाल बैठक में उपस्थित रहे। वहीं असम वित्तीय निगम की ओर से उप महाप्रबंधक केदार बोरा, सहायक महाप्रबंधक बिपुल चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में मुख्य रूप से असम वित्तीय निगम द्वारा अपनाई जा रही विभिन्न प्रशासनिक एवं संस्थागत प्रक्रियाओं, निगम को असम सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग, एनपीए में कमी लाने के उपाय तथा घाटे में चल रही इकाइयों से ऋण वसूली की व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर राजस्थान वित्तीय निगम के कार्यकारी निदेशक डॉ. हर सहाय मीणा ने बैठक और विचार-विमर्श को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं परिणामदायी बताया। उन्होंने कहा कि यह बैठक राजस्थान वित्तीय निगम के अधिकारियों के लिए काफी लाभकारी और सूचनाप्रद सिद्ध हुई है।

राज्य में महिलाओं का अपहर्ता गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में महिलाओं की तस्करी और अपहरण की बढ़ती घटनाओं के बीच दक्षिण कामरूप के जोरशिमुली पुलिस ने एक कथित अपहर्ता को गिरफ्तार किया है जिस पर महिलाओं का अपहरण करके तस्करी करने का संदेह है। पुलिस के अनुसार आरोपी को चमरिया के बताहिदिया चर इलाके से गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान महिमारी गांव निवासी जियाउर रहमान के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से ही छयगांव थाना में महिला अपहरण से जुड़े मामले दर्ज थे। सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि आरोपी का संबंध किसी बड़े महिला तस्करी गिरोह से भी हो सकता है। इस घटना ने एक बार फिर राज्य में लगातार सामने आ रही महिला तस्करी और अपहरण की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

लोक भवन आवासीय परिसर पहुंचे राज्यपाल, वृक्षारोपण और ऊर्जा संरक्षण के लिए सामूहिक भागीदारी का आह्वान

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मंगलवार को लोक भवन के आवासीय परिसर का दौरा किया, जहां अधिकारियों और कर्मचारियों के सरकारी क्वार्टर स्थित हैं। इस दौरान उन्होंने परिवारों से वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और दैनिक जीवन में ऊर्जा संरक्षण की आदत अपनाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, राज्यपाल के नेतृत्व में लोक भवन में ईंधन और ऊर्जा संरक्षण, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई पहलें की गई हैं। राज्यपाल ने परिसर के निवासियों से संवाद करते हुए कहा कि ऊर्जा संरक्षण को सभी के जीवन का स्वाभाविक और जागरूक हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से

वृक्षारोपण, जिम्मेदार उपभोग और घरेलू स्तर पर सतत जीवनशैली अपनाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार समाज के निर्माण के लिए सामूहिक भागीदारी बेहद आवश्यक है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त प्रयासों से असम ऊर्जा संरक्षण, पारिस्थितिक संतुलन और सतत विकास के क्षेत्र में एक आदर्श राज्य बन सकता है। दौरे के दौरान राज्यपाल ने आवासीय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया और निवासियों से उनके कल्याण एवं सुविधाओं को लेकर बातचीत की। राज्यपाल के साथ आयुक्त एवं सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम तथा लोक निर्माण विभाग (भवन) के अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिस तंत्र विफल, दिनदहाड़े चोरी से अपराधियों के बढ़ते मनोबल पर सवाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम में अपराधियों के बढ़ते मनोबल और पुलिस व्यवस्था पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। कामरूप जिले के बाईहाटा चारिआली स्थित शालमारा इलाके में दिनदहाड़े चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, शिक्षक उत्पल कुमार डेका के घर को चोरों ने उस समय निशाना बनाया, जब शिक्षक दंपती विद्यालय गए हुए थे। इसी दौरान चोरों का एक दल घर का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश कर गया और घर में रखी नकदी समेत लगभग तीन लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, दिन के उजाले में हुई इस चोरी की वारदात ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

तामुलपुर में जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर खंड विकास अधिकारी कार्यालय में मंगलवार को जिला विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीटीसी की सचिव अनसुला बसुमतारी ने की। बैठक में जिले के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा संचालित विकासात्मक कार्यों, चल रही योजनाओं, रिक्त पदों की स्थिति, विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति तथा संबंधित समस्याओं की विस्तृत समीक्षा की गई। विशेष रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं को समयबद्ध एवं सुचारु रूप से क्रियान्वित करने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान बीटीसी सचिव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं के कार्यान्वयन में अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि आम जनता को सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ

प्राप्त हो सके। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बनाए रखते हुए विकास कार्यों को आगे बढ़ाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, सामने आ रही चुनौतियों तथा भविष्य की कार्ययोजना पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण, वन, स्वास्थ्य, जल संसाधन, आपूर्ति, हथकरघा, सिंचाई, कृषि, समाज कल्याण, शिक्षा, भूमि संरक्षण, मत्स्य, असम ग्रामीण आजीविका मिशन तथा परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कामरूप में आदिवासी समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए *जन भागीदारी अभियान* शुरू

अमींगांव। 18 मई से 25 मई तक चलने वाले *जन भागीदारी अभियान* की आज कामरूप के अमींगांव स्थित जिला आयुक्त कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में औपचारिक रूप से शुरुआत की गई। इस शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आयुक्त देबा कुमार मिश्रा ने की। इस अवसर पर बोको-चायगांव के विधायक राजू मेश, जिला परिषद के सीईओ सिद्धार्थ गोस्वामी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, एडीसीएस गीताश्री लाछित, आदित्य गोगोई और मोनिका बुरागोहेन सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अभियान का उद्देश्य जागरूकता फैलाने, पात्रता अभियान चलाने, गांव-गांव जाकर लोगों से जुड़ने की गतिविधियों, स्वास्थ्य जांच शिविरों और *जन सुनवाई* शिविरों के माध्यम से आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाना और लोगों की शिकायतों का समाधान करना है। योजनाओं के क्रियान्वयन में रह गई कमियों की पहचान करने और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए लाभार्थियों से प्रतिक्रिया भी ली जाएगी। जिला आयुक्त ने बताया कि इस अभियान के दौरान लोगों तक पहुंच बनाने और विभिन्न गतिविधियों के बीच समन्वय स्थापित करने में *आदि सेवा केंद्र* महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में पात्रता अभियान, गांव-गांव जाकर लोगों से जुड़ने के अभियान, जन सुनवाई सत्र, दस्तावेजीकरण और समीक्षा संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

विधायक अश्विनी राय सरकार ने कहा

धुबड़ी : पत्रकार प्रदीप कुमार सेन की प्रतिमा सत्रशाल में स्थापित की जाएगी

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिले के सत्रशाल के पत्रकार प्रदीप कुमार सेन की प्रतिमा सत्रशाल में स्थापित की जाएगी। गोलकगंज के भाजपा विधायक अश्विनी राय सरकार ने यह बताते हुए कहा कि प्रदीप कुमार सेन के स्मृति में हर साल यहां पर फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। पत्रकार सेन की स्मृति को यादगार रखने के लिए गोलकगंज विधायक के कोष से उनकी स्मृति स्थापित की जाएगी। अश्विनी राय सरकार ने यह टिप्पणी रंगाली बिहू उत्सव के अवसर पर आयोजित प्रदीप कुमार सेन स्मृति मंच सांस्कृति संध्या कार्यक्रम उद्घाटन समारोह के दौरान की। बिहू समिति के पदाधिकारी, सदस्य और स्थानीय लोगों ने सरकार की इस सुंदर कदम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

धुबड़ी एवं गौरीपुर रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों का डीआरएम ने किया निरीक्षण

धुबड़ी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) के अलीपुरद्वार मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) देवेंद्र सिंह ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे धुबड़ी रेलवे स्टेशन एवं गौरीपुर रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने दोनों स्टेशनों पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों तथा यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों के अनुपालन तथा विभिन्न विकास कार्यों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। इसके अलावा, डीआरएम ने अलीपुरदुआर जंक्शन से धुबड़ी सेक्शन तक न्यू कोचबिहार रेलवे स्टेशन के रास्ते विंडो ट्रेलिंग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे ट्रैक, स्थायी संरचना, ट्रैक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा मार्ग में स्थित अन्य रेलवे परिसंपत्तियों की स्थिति का मूल्यांकन किया गया।

नवनिर्मित प्रयोगशाला का उद्घाटन कर जिला आयुक्त ने विद्यार्थियों से पुस्तक ज्ञान के साथ-साथ आदर्श नागरिक बनने का किया आह्वान

नगांव (निसं)। नगांव जिले के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में से एक काछोमारी स्थित बरभेटी उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के विज्ञान एवं गणित विषयों की व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निर्मित अत्याधुनिक प्रयोगशाला का आज एक विशेष कार्यक्रम के तहत जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा ने औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। फीता काटकर प्रयोगशाला का शुभारंभ करने के बाद जिला आयुक्त ने नवनिर्मित कक्षों का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकसित करने में यह प्रयोगशाला महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों को केवल पुस्तक आधारित शिक्षा तक सीमित नहीं रखतीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करने में भी विशेष रूप से सहायता प्रदान करती हैं। उद्घाटन समारोह के उपलक्ष्य में विद्यालय परिसर में आयोजित एक गरिमामय सभा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर जिला आयुक्त ने विद्यार्थियों को

संबोधित करते हुए वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक क्षेत्र में समर्पित रहने के साथ-साथ समाज के एक आदर्श नागरिक के रूप में विकसित होने तथा अपने लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या रिनी खातियान, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी की उत्साहपूर्ण सहभागिता से उद्घाटन समारोह का वातावरण उत्सवमय बन गया।

GOVERNMENT OF ASSAM

OFFICE OF THE DIRECTOR OF SPORTS & YOUTH WELFARE, ASSAM

RUDRA SINGHA SPORTS COMPLEX, SUPER MARKET, DISPUR, GUWAHATI- 781006

No: DSY/S/SKIC/1/2022/Pt/

ADVERTISEMENT FOR ENGAGEMENT OF PAST CHAMPION ATHLETES IN VARIOUS KHELO INDIA CENTRES OF ASSAM

The Directorate of Sports & Youth Welfare, Government of Assam, invites applications from the eligible citizens of India for their engagement as Past Champion Athletes in various Khelo India Centres of Assam on purely temporary and contractual basis.

Eligibility criteria:

Order of Preference	Individual Sports	Team Sport
1st Preference	Represented India at recognized international competition under recognized NSF/Association of respective sports	Represented India at recognized international competition under recognized NSF/Association of respective sports
2nd Preference	Medal winner at Senior National Past Championship conducted by recognized NSF or medal winner at Khelo India Youth Games :	Part of medal winning team at Senior National past championship conducted by recognized NSF or Part of medal winning team at Khelo India Youth Games
3rd Preference	Medal winner at National AIU Past. Championship	Part of medal winning team at National AIU Past Championship
4th Preference	Represented State in Senior National Past Championship conducted by recognized NSF or participation in Khelo India Youth Games	Represented State in Senior National Past Championship conducted by recognized NSF or Participation in Khelo India Youth Games

Details of vacancy :

Name of District Sports Office	Name of Khelo India Centre	Sports Discipline	Number of Vacancy
Baksa	Khelo India Centre	Boxing	1
Kamrup Metro	Ulubari Boxing Club	Boxing	1
Hailakandi	Hailakandi Sepak Takraw Coaching Centre	Sepak Takraw	1

Interested candidates may apply in the STANDARD FORM OF APPLICATION. The application form should be filled in block letters, and the duly signed application form, along with self-attested copies of all educational qualifications, experiences, etc, accompanied by 2 (two) coloured passport photographs (one pasted in the space provided in the application form and one attached), should be sent via official email Id : kicrecruitmentassam@gmail.com (.) The last date of submission of applications is **4th June, 2026.** The scanned copies of all documents to be sent via the above email Id should be legible. Applications submitted offline will not be accepted. **Maximum age limit for the applicants is 40 years. However, relaxation may be accorded in deserving cases.**

Director
Sports & Youth Welfare, Assam

-- DIPR /D/VBS-18/20-May-26

संपादकीय

मुनाफे का जानलेवा खेल

इंसानी जीवन मूल्यों में किस हद तक गिरावट आई है कि कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये दूसरे लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी गुरेज नहीं करते। अब चाहे सुकोमल व बीमारियों के संक्रमण की दृष्टि से संवेदनशील छोटे बच्चे ही क्यों न हों। निस्संदेह, जीवनदायिनी दूध में मिलावट, इंजेक्शन लगे फल-सब्जी तथा नकली दवाइयों का कारोबार जैसे घातक कृत्य से मुनाफा कमाने में लगे लोगों की मानवीय संवेदनाएं मर चुकी हैं। कल्पना करें कोई बीमार व्यक्ति सेहत के लिये दूध का सेवन करे और उसे रासायनिक पदार्थों से मिला दूध मिले तो वह स्वस्थ होने के बजाय बीमार ही हो जाएगा। ऐसा ही नकली-मिलावटी दवाइयों के बाबत कहा जा सकता है कि कोई बीमारियों से मुक्त होने हेतु दवा खरीदे और उसे नकली दवाइयां बेच दी जाएं। लेकिन इससे भी घातक वह कुकृत्य है जिसमें पंजाब में बायोमेडिकल कचरे की अवैध रीसाइक्लिंग से जुड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। दुखद ही है कि अस्पतालों और ब्लड बैंकों से एकत्र खतरनाक बायोमेडिकल कचरे को निर्धारित नियमों को ताक में रखकर रीसाइक्लिंग के लिये भेजा जा रहा था। जबकि सख्त नियमों के अंतर्गत प्रावधान है कि बायोमेडिकल कचरे को अनिवार्य रूप से नष्ट किया जाना चाहिए। खबरें तो ऐसी भी आई हैं कि बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल, जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं। कुछ लालची लोग मुनाफे के लिये यह जानलेवा काम कर रहे हैं, लेकिन सवाल यह कि नियामक तंत्र की मौजूदगी में ये खेल कैसे चल रहा था? उल्लेखनीय है कि पंजाब में अमृतसर, लुधियाना, मुक्तसर, मोहली, नकोदर और पठानकोट में छह बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट की सुविधाएं मौजूद हैं। इन सभी यूनिटों द्वारा हर दिन बीस हजार किलोग्राम बायोमेडिकल कचरे का निस्तारण किया जाता है। जिसकी निगरानी के लिये पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एक बारकोडिंग प्रणाली के जरिये जानकारी जुटाता है। इतना ही नहीं, कचरा ढोने वाले वाहनों की ट्रैकिंग और अन्य जानकारियां ऑनलाइन अपलोड की जाती हैं। सवाल यह उठता है कि इस अपवित्र कृत्य की कमजोर कड़ी कहां है? पुलिस सूत्रों ने इशारा किया है कि बायोमेडिकल कचरे पर मोहाली की एक अधिकृत कचरा संग्रहण कंपनी के बारकोड लगे थे। स्पष्ट है कि मानव स्वास्थ्य के लिये बेहद घातक कचरे को बिना निपटान प्रक्रिया से गुजारने के बजाय मुनाफे के लिये बाजार में बेच दिया गया। कहना कठिन है कि यह खतरनाक खेल कब से चल रहा था और न जाने कितने लोगों को घातक संक्रमण का शिकार बना दिया गया होगा। निस्संदेह, यदि प्रवर्तन एजेंसियां ईमानदारी से सख्त कार्रवाई करें तो अपराधियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। सूत्र बताते हैं कि इस प्रकरण में एक ऐसी कंपनी की कारगुजारी संदिग्ध है, जिसे बायोमेडिकल कचरे के अनुचित प्रबंधन मामले में पहले भी पकड़ा जा चुका है। यदि पहले ही दोषियों को सख्त दंड मिला होता तो शायद वे दुबारा ऐसा करने का दुस्साहस नहीं कर पाते। निस्संदेह, नियामक तंत्र की कोताही और हमारी कानून व्यवस्था के छिद्र ऐसे अपराधियों को फिर-फिर पनपने का मौका देते हैं।

बायोमेडिकल कचरे से रिसाइकल किया गया प्लास्टिक, मेडिकल उपकरण, यहां तक कि सस्ते खिलौने बनाने वालों तक पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि बायोमेडिकल कचरे को उच्च गुणवत्ता वाले प्लास्टिक के रूप में पाया जाता है, जो सस्ती उपलब्धता के कारण उत्पादकों की लागत कम कर देता है। वहीं कुछ उत्पादों को साफ करके फिर से बाजार में उतारने की भी आशंका है। दरअसल, जानलेवा अवैध कारोबार का खुलासा तब हुआ, जब पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने एक गोदाम से भारी मात्रा में बायोमेडिकल कचरा बरामद किया। निश्चित ही, इस घातक खेल में ऐसे लोग भी शामिल होंगे, जो मेडिकल कचरे को नष्ट करने के बजाय चंद रुपयों के लिये उसे बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। निस्संदेह, इस जानलेवा खेल के पीछे एक सुनियोजित सांठगांठ वाले गिरोह की भूमिका होगी। जिसके जरिये बायोमेडिकल कचरे को गोदामों से निकालकर स्क्रैप डीलरों के माध्यम से बेचा गया। पुलिस के छापे में गोदाम से खून से सने कॉटन पैड, प्रयोग की गई सिरिंज और खून के सैंपल वाली बोतलों समेत कई ऐसे मेडिकल वेस्ट मिले हैं जो घातक संक्रमण फैलाने का जरिया बन सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता

चीन-अमेरिका की निकटता से भारत के सामने वैश्विक चुनौतियाँ

दुनिया एक बार फिर ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है जहाँ दो महाशक्तियों-अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते संवाद, आपसी मुलाकातों और कूटनीतिक समीकरणों को केवल द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं देखा जा सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है। ऐसे में इनके संबंधों में किसी भी प्रकार का बदलाव पूरी दुनिया की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, टैरिफ विवाद, तकनीकी प्रतिबंध और ताइवान से जुड़े तनावों ने विश्व अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाला। कोरोना महामारी के बाद वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ टूट गईं, रूस-यूक्रेन युद्ध ने ऊर्जा संकट बढ़ाया और पश्चिम एशिया के संघर्षों ने दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेला। इन परिस्थितियों में यदि अमेरिका और चीन संवाद और सहयोग की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो इससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता को बल मिल सकता है। विश्व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में देखा जाए तो अमेरिका और चीन के बीच तनाव कम होने से सबसे पहले वैश्विक बाजारों को राहत मिलेगी। निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में सुधार होगा और इलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा, तकनीक तथा विनिर्माण क्षेत्रों में लागत घट सकती है। इससे महंगाई पर भी नियंत्रण संभव है। किंतु यह केवल तस्वीर का एक पक्ष है। दूसरा पक्ष यह है कि यदि दोनों महाशक्तियाँ वैश्विक व्यापारिक नियमों और आर्थिक नीतियों को अपने हितों के अनुसार तय करने लगें तो छोटे देशों की आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। दुनिया पहले भी उपनिवेशवाद और आर्थिक नियंत्रण की राजनीति देख चुकी है, अब आशंका यह है कि कहीं आर्थिक वैश्वीकरण का नया स्वरूप महाशक्तियों के संयुक्त वर्चस्व में परिवर्तित न हो जाए। इसी संदर्भ में "जी-2" यानी अमेरिका और चीन केंद्रित विश्व व्यवस्था की चर्चा तेज हुई है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विश्व धीरे-धीरे बहुधुरवीय व्यवस्था से हटकर दो महाशक्तियों के प्रभाव वाले ढाँचे की ओर बढ़

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच संवाद और संभावित समझौतों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चाओं का दौर चल रहा है। एक वर्ग इसे विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राहतकारी कदम मान रहा है, क्योंकि इससे बढ़ती महंगाई, व्यापारिक अवरोधों और युद्धजन्य संकटों में कमी आने की उम्मीद व्यक्त की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि यह निकटता भविष्य में एक ऐसे विश्व संरचना को जन्म दे सकती है जहाँ दुनिया की दिशा पुनः कुछ महाशक्तियों के हाथों में सिमट जाए और विकासशील तथा अर्धविकसित देशों के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी हो जाएँ। भारत जैसे देशों के लिए यह परिस्थिति अवसर और चुनौती दोनों लेकर आई है। आज अमेरिका और चीन मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग 44 प्रतिशत हिस्से को प्रभावित करते हैं। विश्व व्यापार, तकनीकी विकास, ऊर्जा बाजार, वैश्विक निवेश, वित्तीय संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक निर्णयों पर इन दोनों देशों का गहरा प्रभाव है।

सकता है। यदि ऐसा हुआ तो वैश्विक नीतियों, व्यापारिक समझौतों और सुरक्षा संबंधी निर्णयों में छोटे देशों की भूमिका सीमित हो सकती है। यह स्थिति भारत जैसे देशों के लिए विशेष चिंता का विषय है क्योंकि भारत हमेशा से बहुधुरवीय विश्व व्यवस्था और सामूहिक वैश्विक नेतृत्व का समर्थक रहा है। भारत की स्थिति यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत न तो पूरी तरह अमेरिकी खेमे में है और न ही चीन के प्रभाव क्षेत्र में। भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाई है। अमेरिका के साथ भारत के रक्षा, तकनीकी और आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हुए हैं। क्वाड जैसे मंचों में भारत की सक्रिय भूमिका है। दूसरी ओर चीन भारत का पड़ोसी देश है और दोनों देशों के बीच सीमा विवादों के बावजूद व्यापारिक संबंध व्यापक हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन की बढ़ती निकटता भारत के लिए केवल बाहरी घटना नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का विषय है। भारत और चीन की तुलना करें तो चीन ने पिछले तीन दशकों में विनिर्माण, निर्यात, आधारभूत संरचना और तकनीकी उत्पादन के माध्यम से स्वयं को वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में स्थापित किया। चीन की आर्थिक नीति केंद्रीकृत और तीव्र निर्णय क्षमता वाली रही है। इसके विपरीत भारत का विकास लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संस्थागत संतुलन पर आधारित रहा है। भारत की शक्ति उसकी युवा आबादी, लोकतंत्र, सेवा क्षेत्र और डिजिटल क्षमता में निहित है, जबकि चीन की शक्ति विनिर्माण, निर्यात और पूंजी निवेश में रही है। अमेरिका के साथ चीन के संबंधों में सुधार होने की स्थिति में भारत के सामने यह चुनौती होगी कि वह अपनी आर्थिक और रणनीतिक उपयोगिता को और अधिक प्रभावशाली बनाए। भारत के लिए सबसे बड़ा अवसर "चाइना प्लस वन" रणनीति में निहित है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने पिछले वर्षों में चीन पर निर्भरता कम करने की दिशा में प्रयास किए हैं। अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ चीन के विकल्प के रूप में भारत, वियतनाम और अन्य देशों की ओर बढ़ी हैं। भारत यदि अपनी औद्योगिक नीतियों, आधारभूत संरचना, श्रम सुधार और तकनीकी क्षमता को मजबूत करता है तो वह वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है। किंतु यदि भारत आवश्यक गति से सुधार नहीं कर पाया तो यह अवसर अन्य देशों के पास चला जाएगा।

तकनीकी क्षेत्र में भी अमेरिका-चीन संबंधों का भारत पर सीधा प्रभाव पड़ेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और रेयर अर्थ मिनरल्स नई शक्ति राजनीति के केंद्र बन चुके हैं। अमेरिका तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखना चाहता है जबकि चीन तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। भारत इन दोनों के बीच एक तीसरे विकल्प के रूप में उभर सकता है, लेकिन इसके लिए अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। भारत के पास प्रतिभा है, लेकिन प्रतिभा को वैश्विक नेतृत्व में बदलने के लिए दीर्घकालिक दृष्टि चाहिए। भू-राजनीतिक दृष्टि से भी यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है। ताइवान, दक्षिण चीन सागर, रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया के संकटों पर अमेरिका और चीन की भूमिका निर्णायक है। यदि दोनों देशों के बीच समझ बढ़ती है तो सैन्य टकरावों की आशंका कम हो सकती है। इससे वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर होंगे और तेल की कीमतों में राहत मिल सकती है। भारत जैसे ऊर्जा आयातक देश के लिए यह अत्यंत लाभकारी स्थिति होगी। लेकिन यदि दोनों महाशक्तियाँ अपने प्रभाव विस्तार के लिए संकटों का उपयोग करती हैं तो विश्व अस्थिरता और बढ़ सकती है। भारत की विदेश नीति के लिए यह समय अत्यंत निर्णायक है। भारत को अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए चीन के साथ व्यावहारिक संबंधों का संतुलन बनाना होगा। साथ ही उसे वैश्विक दक्षिण यानी विकासशील देशों के नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत करनी होगी। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने जिस "वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर" की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह भविष्य की विश्व व्यवस्था का वैकल्पिक मॉडल बन सकती है। तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो अमेरिका और चीन जहाँ शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, वहीं भारत सहअस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की नीति पर चल रहा है। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा शक्ति प्रदर्शन पर आधारित है जबकि भारत का दृष्टिकोण विकास, मानवीय मूल्यों और वैश्विक साझेदारी पर केंद्रित रहा है। यही भारत की विशिष्टता और शक्ति है। आज दुनिया में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि क्या अमेरिका और चीन मिलकर दुनिया को पुनः अपने प्रभाव क्षेत्र में बाँटने का प्रयास करेंगे? क्या छोटे देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी? क्या फिर वही स्थिति बनेगी जब महाशक्तियाँ विश्व राजनीति को अपनी उँगलियों पर नचाती थीं? इन प्रश्नों के उत्तर भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन इतना निश्चित है कि आज की दुनिया शीत युद्ध काल की दुनिया नहीं है। भारत, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील, आसियान और अफ्रीकी देशों का बढ़ता प्रभाव विश्व व्यवस्था को बहुधुरवीय बनाए रखने में सक्षम है। भारत को इस बदलती परिस्थिति में अपने संकल्पों को सुदृढ़ करना होगा, विकास के नए मानक गढ़ने होंगे और अपनी रणनीतिक क्षमता को विस्तार देना होगा।

देश | दुनीया से

उपभोक्ता व्यवहार परिवर्तन में वैश्विक संकट का हल

पूरी दुनिया युद्ध के दावानल से गुजर रही है। यह आग थमने का नाम नहीं ले रही। संवाद और समझौते की घोषणाएं होती हैं, जिससे कुछ समय के लिए शेयर बाजारों में उत्साह दिखाई देता है, लेकिन जल्द ही संघर्ष का कठोर सच सामने आ जाता है। यह संघर्ष अब वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए भी गंभीर संकट बन चुका है। युद्धरत देशों ने एक-दूसरे पर दबाव बनाने के लिए आपूर्ति मार्गों पर कब्जा जमा लिया है। ईरान, अमेरिका और इस्राइल के बीच चल रहा तनाव अब होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी तक पहुंच गया है, जिससे हालात और अधिक गंभीर हो गए हैं। नतीजा साफ है कि केवल भारत ही नहीं, बल्कि यूरोप जैसे समृद्ध और आयात-आधारित देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी इस युद्ध से चरमरा रही हैं। कोविड काल एक प्राकृतिक महामारी थी, लेकिन वर्तमान संकट मानव निर्मित है, जिसे युद्धरत देशों ने शक्ति प्रदर्शन की होड़ में पैदा किया है। रूस-यूक्रेन युद्ध से भी इतनी बड़ी आपूर्ति अव्यवस्था नहीं हुई थी, जितनी पश्चिम एशिया के संघर्ष ने पैदा कर दी है। सबसे गंभीर स्थिति होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी से बनी है। कच्चे तेल और गैस से भरे सैकड़ों जहाज रास्तों में रुके पड़े हैं, जिससे पूरी दुनिया चिंतित है। भारत ने अपने ऊर्जा भंडार के सहारे आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक संभालना आसान नहीं होगा। भारत की अर्थव्यवस्था भी बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है। पेट्रोल, डीजल, गैस, डामर और यूरेनियम तक इसी मार्ग से आते हैं। ऐसे में आयात संकट गहराता जा रहा है और सीमित भंडार तेजी से घट रहे हैं। हाल ही में हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को विश्व के लिए गंभीर और भयावह संकट बताया। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल बलिदान देने तक सीमित नहीं, बल्कि आर्थिक संकट के समय जिम्मेदारीपूर्ण जीवन जीने में भी है। भारत के सामने इस समय बड़ी चुनौती ऊर्जा आपूर्ति की है, क्योंकि देश

अपनी जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और उसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते खाड़ी देशों से आता है। इसी मार्ग से प्राकृतिक गैस, तारकोल और किसानों के लिए उर्वरक भी भारत पहुंचते हैं। लेकिन युद्ध के कारण यह रास्ता बाधित हो गया है। लगातार बढ़ती हिंसा और तबाही से साफ है कि शांति वार्ताएं फिलहाल केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं और युद्धरत देश टकराव की राह पर अड़े हैं। ऐसे में निकट भविष्य में होर्मुज मार्ग खुलने की संभावना भी कम नजर आ रही है, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट और गहरा सकता है। प्रधानमंत्री ने पूरे देश से अपने उपभोक्ता व्यवहार को बदलने की अपील की है। उन्होंने सीधे तौर पर कहा कि जैसे भी हो, अपने पेट्रोल और डीजल की खपत घटाएं क्योंकि हमारे पास यथेष्ट तेल के कुएं नहीं और हम कच्चा तेल बाहर से मंगवाते हैं। अब जब आयात बढ़ेगा तो जाहिर है, हमारे रुपये के मूल्य पर उसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। डॉलर के मुकाबले उसका मूल्य लगातार घटता न जाए, इसलिए देश के पास उचित सोने के भंडार होने चाहिएं। जो उसके विनिमय व्यवहार के काम आएं। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से सोने की गैर-जरूरी खरीद से बचने की अपील की है। भारत में विवाह आदि अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है, लेकिन बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की पहुंच से इसे दूर कर दिया है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में यह स्थिति और गंभीर हो गई है। कोविड के बाद शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध अब तक जारी है, वहीं चीन-ताइवान तनाव भी बढ़ता जा रहा है। इन सभी घटनाओं का संयुक्त प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। ऊर्जा संकट, महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और बाजार की अस्थिरता बढ़ी है। इसका असर भारत सहित अनेक देशों पर दिखाई दे रहा है, जिससे आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ गई है। विश्व में पेट्रोल, डीजल, गैस और खाद की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित हो चुकी है। भारत अपनी जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है, इसलिए इस संकट का सीधा असर देश के भोजन, ईंधन और कृषि आपूर्ति पर पड़ना तय है। इस स्थिति से निपटने हेतु विदेशी मुद्रा बचाने और ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है। इसी कारण उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव की अपील की गई है—पेट्रोल और डीजल का सावधानी से उपयोग, सार्वजनिक परिवहन जैसे मेट्रो का अधिक उपयोग और कारपूलिंग को बढ़ावा देने की बात कही जा रही है। माल ढुलाई में भी रेलवे सेवाओं के अधिक उपयोग पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि वर्तमान ढांचे में अभी पूरी तरह परिवर्तन संभव नहीं है। ऐसे में सरकार के सामने मूल्य स्थिरता बनाए रखना बड़ी चुनौती बन गया है, जबकि युद्ध का समाधान अभी दूर दिखाई देता है।

आप का | नजरीया

शहरी निकायों के सबक

शहरी निकाय चुनावों से गुजरा हिमाचल न उजला-न दुबला। अगर यह राजनीतिक सीमा रेखा है तो जनता ने दोनों पार्टों को कमोबेश बराबर रख दिया है। कांग्रेस के लिए खुशी की बात यह कि सत्ता को रास्ता दिखाते कांगड़ा की शहरी जनता ने उसका भरपूर समर्थन किया है। रोचक तथ्य यह भी है कि आधा दर्जन से ऊपर कुछ निकाय ऐसे नतीजों के साथ बाहर आए हैं, जहां न कांग्रेस और न ही भाजपा, बल्कि अन्य लोगों ने स्वतंत्र विचारधारा में जीत दर्ज की है। पूरे हिमाचल की दृष्टि से निर्दलीय या किसी स्वतंत्र धड़े की जीत का कोई भी सिरा पकड़ें, तो हमें मालूम होगा कि प्रदेश अब तीसरा मोर्चा खोज रहा है। यह चुनाव हालांकि प्रत्यक्ष राजनीति के सुपुर्द नहीं थे, फिर भी जीत-हार के अंतर में हम विधानसभा चुनाव की तैयारियां देख सकते हैं। हैरानी के कक्ष में मंडी के चुनावों का दावा विपक्ष की तैयारियों में खलल डाल रहा है, इस तरह अब अगली कसौटी नगर निगम चुनावों से तय होगी। नगर निकाय चुनावों में कुछ विधायकों के अरमानों पर चोट पहुंची है, जबकि अन्य अपना लाव लश्कर तय कर रहे हैं। जिला कांगड़ा में कांगड़ा, देहरा, नूरपुर, ज्वालामुखी और शाहपुर में स्थानीय नेताओं की वजह से कांग्रेस आगे हुई, तो इस बिसात पर सरकार की ओर से कांगड़ा का चेहरा बनाए गए आरएस बाली के गढ़ में कांग्रेस को भारी चपत लगी है। यहां भाजपा समर्पित चार और एक निर्दलीय की जीत से कांग्रेस के प्रतिकूल एक टिप्पणी है। कांगड़ा ने मुख्यमंत्री को अपनाया है, यह तो सिद्ध होता है, लेकिन कुछ नेताओं के प्रति अविश्वास पेश किया है। अर्की में भी भाजपा के प्रति झुकाव से सियासी ताना बान असहमति पेश कर रहा है। नगर निकाय चुनाव एक तरह से राजनीति का नया व्याकरण लेकर आए हैं। जाहिर है इनके आलोक में सत्ता को कई फैसले लेने में सुविधा होगी, जबकि भाजपा जिस आशा में सत्ता परिवर्तन देख रही है, वह इतनी आसान नहीं हुई है। परिणामों का मसाला दोनों तरफ उछला है और कई जगह पार्टियों के सबक दीवारों पर लिखे गए हैं। कांग्रेस के लिए राहत यह कि इसकी सरकार के फैसले जमीनी अर्थ साबित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सुक्खू के लिए ये चुनाव उनकी कार्यशैली, व्यक्तित्व, कृतित्व और सरकार के महत्त्व में देखे जाएं, तो भी वह सफलता के साथ अवलोकन कर सकते हैं। तमाम मंत्री अब उस गुंजाइश का संज्ञान लें, जो कई शहरी निकायों में सरकार के पक्ष में रोष प्रकट कर गए। इसी तरह विपक्ष को यह देखना होगा कि कांगड़ा उसकी झोली से उछल क्यों रहा। अब दौड़ पंचायत राज चुनाव की तरफ है, तो नतीजे और गहरे तथा ग्रास रूट तक राजनीतिक संदेश देंगे। यहां जिक्र उन 8841 उम्मीदवारों का होना स्वाभाविक है, जिन्हें जनता ने बिना चुनाव अपनी पलकों पर बैठाया। पूरे प्रदेश में 129 के करीब जो पंचायतें निर्विरोध चुनी गईं, उनके लिए बधाई का शगुन देते हुए सरकार 25 लाख की प्रोत्साहन राशि प्रति पंचायत दे रही है। पंचायती राज में सामुदायिक भावना सबसे अधिक ट्राइबल क्षेत्रों में देखी गई, जबकि निचले क्षेत्रों में सामुदायिक खिन्नता में राजनीतिक विद्रूपता के प्रमाण मिल रहे हैं। बहरहाल स्थानीय निकायों की परिपाटी से गुजरते हिमाचल ने कुछ मंजिलें तय कर दीं, जबकि पूरी संवेदना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिसाब महीने के आखिर में सामने आएगा ताकि राजनीति अपना चेहरा ठीक-ठीक देख ले।

कांग्रेस के लिए खुशी की बात यह कि सत्ता को रास्ता दिखाते कांगड़ा की शहरी जनता ने उसका भरपूर समर्थन किया है। रोचक तथ्य यह भी है कि आधा दर्जन से ऊपर कुछ निकाय ऐसे नतीजों के साथ बाहर आए हैं, जहां न कांग्रेस और न ही भाजपा, बल्कि अन्य लोगों ने स्वतंत्र विचारधारा में जीत दर्ज की है। पूरे हिमाचल की दृष्टि से निर्दलीय या किसी स्वतंत्र धड़े की जीत का कोई भी सिरा पकड़ें, तो हमें मालूम होगा कि प्रदेश अब तीसरा मोर्चा खोज रहा है। यह चुनाव हालांकि प्रत्यक्ष राजनीति के सुपुर्द नहीं थे, फिर भी जीत-हार के अंतर में हम विधानसभा चुनाव की तैयारियां देख सकते हैं। हैरानी के कक्ष में मंडी के चुनावों का दावा विपक्ष की तैयारियों में खलल डाल रहा है, इस तरह अब अगली कसौटी नगर निगम चुनावों से तय होगी। नगर निकाय चुनावों में कुछ विधायकों के अरमानों पर चोट पहुंची है, जबकि अन्य अपना लाव लश्कर तय कर रहे हैं। जिला कांगड़ा में कांगड़ा, देहरा, नूरपुर, ज्वालामुखी और शाहपुर में स्थानीय नेताओं की वजह से कांग्रेस आगे हुई, तो इस बिसात पर सरकार की ओर से कांगड़ा का चेहरा बनाए गए आरएस बाली के गढ़ में कांग्रेस को भारी चपत लगी है। यहां भाजपा समर्पित चार और एक निर्दलीय की जीत से कांग्रेस के प्रतिकूल एक टिप्पणी है। कांगड़ा ने मुख्यमंत्री को अपनाया है, यह तो सिद्ध होता है, लेकिन कुछ नेताओं के प्रति अविश्वास पेश किया है। अर्की में भी भाजपा के प्रति झुकाव से सियासी ताना बान असहमति पेश कर रहा है। नगर निकाय चुनाव एक तरह से राजनीति का नया व्याकरण लेकर आए हैं।

कुछ | अलग

चढ़ गया ऊपर रे ज़ुल्मी कॉकरोच रे...

झून्नू लाल जी अपनी मस्ती में नब्बे के दशक की फ़िल्म दलाल के गाने की तर्ज़ पर 'गुटर गुटर गुटर गुम, गुटर गुटर गुटर गुम, अरे चढ़ गया ऊपर रे, चढ़ गया ऊपर रे ज़ुल्मी कॉकरोच...', हां' गाते हुए अकेले कदम बढ़ाते हुए चले जा रहे थे। मैंने उन्हें बताया कि गाने में कबूतर है और वह इसमें कॉकरोच ले आए हैं। वह हंसते हुए बोले, 'अमा यार! आजकल देश में कॉकरोच के जलवे हैं। चीफ़ जस्टिस के बयान के बाद पूरे देश भर में कॉकरोच को लेकर नई बहस छिड़ गई है।' मैंने उनसे कहा कि आपके गाने को सुनकर मुझे आदित्य नारायण की कविता 'इधर भी गधे हैं, उधर भी गधे हैं' की याद आ रही है। पर आपके गाने में कबूतर की जगह कॉकरोच आ गया है। वह हंसते हुए बोले, 'मियां! पहले ज़माना गधों का था। पर जब से पाकिस्तान गधों के निर्यात से विदेशी मुद्रा कमाने लगा है, हमने गधों को पाकिस्तान के लिए छोड़ दिया है। तुम्हें याद होगा पहले जब सरकारी स्कूलों के बच्चे अपना सबक याद करके नहीं आते थे तो मास्साब गुस्से से बोलते थे, "गधा कहीं का"। न तुझे कुछ आता है और न ही तू मेहनत करना चाहता है। तेरा भगवान ही मालिक है। अब गधों का कायाकल्प हो रहा है। गधे कॉकरोच में बदल रहे हैं।' गधे के कॉकरोच में बदलने के संबंध में कही गई उनकी बात सुनकर मैंने अपने आपको टटोलकर आश्वस्त किया कि कहीं मेरा कायाकल्प तो नहीं हो रहा। मेरा अपना मानना है कि मनुष्य भले गधे में बदल जाए, पर कॉकरोच से बेहतर है। कम से कम गधा मेहनत करता है और कॉकरोच की तरह जूठन या अपशिष्ट पर ज़िंदा नहीं रहता। इतने साल ज़िंदगी का बोझ ढोने के बाद मुझे अब इस बात पर कोई शक नहीं कि आदमी समय बदलने के साथ धोबी या कुम्हार का ऐसा बंधुआ गधा हो जाता है जो बिना किसी प्रतिकार के अपनी ज़िम्मेवारियों का निर्वहन करता रहता है।

दृष्टि | कोण

दुनिया का अमरीका से डगमगाता विश्वास

कुछ समय पूर्व एक खबर आई कि सऊदी अरब अब डॉलर के साथ-साथ अन्य करेंसियों में भी तेल का व्यापार करेगा। यह वैश्विक आर्थिक जगत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और कुछ हद तक आश्चर्यजनक खबर भी थी। पिछले कई दशकों से दुनिया के तेल व्यापार में डॉलर का प्रभुत्व बना हुआ है और अभी भी विश्व के कुल तेल व्यापार का 80 प्रतिशत डॉलर के माध्यम से होता रहा है। 1973 के तेल संकट के बाद, 1974 के मध्य में अमरीका और सऊदी अरब के बीच आगामी 50 वर्षों के लिए एक रणनीतिक समझ बनी कि सऊदी अरब तेल की कीमत अमरीकी डॉलर में तय करेगा। वह तेल से होने वाली अतिरिक्त कमाई को अमरीकी संपत्तियों (जैसे ट्रेजरी बॉन्ड इत्यादि) में निवेश करेगा। इसके बदले में, अमरीका ने उसे सैन्य सहायता और सुरक्षा की गारंटी प्रदान की। वर्ष 2024 में उस समझ या यूं कहें तो समझौते की अवधि की समाप्ति होने के बाद तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन ने उस समझौते का नवीनीकरण नहीं किया, जिसके कारण सऊदी अरब अब स्थानीय करेंसियों में तेल बेचने के लिए स्वतंत्र हो गया है, और उसके लिए चीनी युआन, जापानी येन और भारतीय रुपए सहित कई अन्य करेंसियों में तेल का व्यापार करने का मार्ग खुल गया है। गौरतलब है कि अमरीका के साथ सऊदी अरब का 50 वर्ष का वो समझौता उस समय समाप्त हुआ, जब ब्रिक्स देश अमरीकी डॉलर के स्थान पर स्थानीय करेंसियों को वरीयता देने की ओर प्रयास कर रहे थे। ब्रिक्स सम्मेलनों में रूस और चीन सहित कुछ देश अब डी-डालराईजेशन की बात जोर-शोर से करने लगे हैं। हालांकि भारत खुलेतौर पर डी-डालराईजेशन का समर्थन तो नहीं करता, लेकिन अपने आर्थिक हितों के संरक्षण हेतु रुपयों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार भुगतान करने की ओर ठोस प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि भारत के बड़े व्यापार साझेदार देशों ने इस संबंध में वास्ट्रो खाते

खोलकर रुपयों में भुगतान का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। विश्व में, पिछले लंबे समय से अमरीकी डॉलर का प्रभुत्व कम होने के संकेत मिलते रहे हैं, लेकिन पिछले दो वर्षों में डॉलर पर दुनिया का विश्वास कुछ अधिक तेजी से डगमगाया है। हालांकि आज भी डॉलर दुनिया के लिए प्राथमिक करेंसी के रूप मे बरकरार है, लेकिन पिछले कुछ समय से दुनिया डॉलर से लगातार विमुख हो रही है। हालांकि अभी भी दुनिया के 90 प्रतिशत विदेशी मुद्रा लेन-देन डॉलरों में होते हैं, और 54 प्रतिशत वैश्विक निर्यात के बिल डॉलरों में व्यक्त किए जाते हैं, लेकिन डॉलर जिसकी वैश्विक रिजर्व करेंसी में हिस्सेदारी वर्ष 2000 में 71 से 72 प्रतिशत होती थी, यूरो के प्रादुर्भाव के चलते वर्ष 2010 तक वह 61 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, और 2019 तक यह उसी स्तर पर बनी रही। लेकिन वर्ष 2020 से यह निरंतर घटती जा रही है और वर्ष 2023 में डॉलर का वैश्विक रिजर्व करेंसी में योगदान घटकर 58 प्रतिशत और 2025 में 56.3 प्रतिशत तक पहुंच गया, और यह घटता ही जा रहा है, और आज यह पिछले 30 सालों में न्यूनतम स्तर पर है। इस बात को समझने की जरूरत है कि डॉलर पर दुनिया का विश्वास पूर्व की तुलना में क्यों डगमगाया हुआ है? क्यों अब दुनिया के देश डॉलर को त्याग अन्य करेंसियों को वरीयता देने लगे हैं। इसको समझने के लिए हमें वैश्विक परिस्थितियों को समझना पड़ेगा। सर्वप्रथम, अमरीका द्वारा वित्त के हथियारीकरण के कारण दुनिया भर का अमरीकी प्रशासन पर विश्वास कमजोर हुआ है।

राजस्थान सेमीकंडक्टर हब बनने की राह पर भिवाड़ी में प्रदेश का पहला हाईटेक क्लस्टर शुरू

जयपुर (हिंस)। राजस्थान अब केवल पर्यटन, खनिज और सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं रह गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश तेजी से सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में नई पहचान बना रहा है। भिवाड़ी में प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर की शुरुआत को राजस्थान के औद्योगिक इतिहास में ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है। यह पहल *विकसित राजस्थान-2047* के विजन को नई दिशा देने वाली मानी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे राजस्थान पारंपरिक उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था से आगे बढ़कर हाईटेक और डिजिटल इंडस्ट्री की ओर तेजी से कदम बढ़ाएगा। 15 मई 2026 को राजस्थान ने देश के तकनीकी मानचित्र पर बड़ी छलांग लगाई। भिवाड़ी के सलारपुर-खुशखेड़ा क्षेत्र में एल्सीना इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित ग्रीनफील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर शुरू किया गया। यह प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर होने के साथ देश की पहली एसएमई सेमीकंडक्टर फैसिलिटी भी बन गया है। करीब 20 कंपनियों की भागीदारी से विकसित इस क्लस्टर में अब तक 1200 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। वहीं सहस्रा सेमीकंडक्टर्स, सहस्रा इलेक्ट्रॉनिक्स और ई-पैक ड्यूरेबल जैसी 11 कंपनियों ने 900 करोड़ रुपए के निवेश के साथ संचालन शुरू कर दिया है। इससे अब तक करीब 2700 लोगों को रोजगार मिल चुका है। इस हाईटेक क्लस्टर में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स, आरएफआईडी, ईवी कंपोनेंट्स और एयर कंडीशनर निर्माण से जुड़े उद्योग काम कर रहे हैं। वर्तमान में इसकी वार्षिक पैकेजिंग क्षमता करीब 6 करोड़ सेमीकंडक्टर यूनिट्स की है, जिसे अगले दो से तीन वर्षों में बढ़ाकर 40 से 60 करोड़ यूनिट्स तक करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा एसएसडी, डीआरएएम और डेटा स्टोरेज उत्पादों के निर्माण की तैयारी भी चल रही है। इससे राजस्थान वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा मार्च 2026 में जारी *राजस्थान सेमीकंडक्टर नीति-2026* उद्योगों के लिए बड़ा आकर्षण बनकर सामने आई है। इस नीति के तहत उद्योगों को सिंगल विंडो सिस्टम, त्वरित भूमि आवंटन और बिजली-पानी-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से उपलब्ध कराई जा रही हैं। जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र, कांकणी औद्योगिक क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों को प्राथमिक सेमीकंडक्टर कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य राजस्थान को वैश्विक स्तर पर ओएसएटी, एटीएमपी और सेंसर निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है। आज मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक वाहन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रक्षा तकनीक और आधुनिक मशीनरी, सभी की रीढ़ सेमीकंडक्टर तकनीक है। अब तक इस क्षेत्र में अमेरिका, चीन, ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों का दबदबा रहा है, लेकिन भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए *भारत सेमीकंडक्टर मिशन 2.0* के तहत 2026-27 के बजट में 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसका उद्देश्य केवल चिप निर्माण नहीं, बल्कि डिजाइन, अनुसंधान, प्रशिक्षण और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की भागीदारी बढ़ाना है। अनुमान है कि वर्ष 2029 तक भारत अपनी जरूरत के 70-75 प्रतिशत चिप्स के डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भर हो सकता है। सेमीकंडक्टर उद्योग को रोजगार और कौशल विकास का बड़ा माध्यम माना जा रहा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, चिप डिजाइन, रोबोटिक्स, मशीन ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रिसर्च जैसे क्षेत्रों में युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। *चिप्स टू स्टार्टअप* कार्यक्रम के तहत देश में अगले 10 वर्षों में 85 हजार से अधिक सेमीकंडक्टर इंजीनियर्स तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। राजस्थान के नौ संस्थानों में भी आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे युवा अब प्रदेश में ही चिप डिजाइनिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान आने वाले वर्षों में केवल निवेश और रोजगार का बड़ा केंद्र ही नहीं बनेगा, बल्कि देश की तकनीकी प्रगति की मुख्यधारा में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। अब वह समय दूर नहीं माना जा रहा, जब राजस्थान की पहचान केवल रेगिस्तान और पर्यटन तक सीमित न रहकर *भारत के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स हब* के रूप में भी स्थापित होगी।

सीमा पर होनेवाले अनैतिक और गैर वैधानिक कार्यों पर पूरी सख्ती बरतें : मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद सभागार में आज शाम भारत-नेपाल सीमा प्रबंधन को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर होनेवाले अनैतिक और गैर वैधानिक कार्यों पर पूरी सख्ती बरतें। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा से जुड़े फैसलों में राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भारत-नेपाल सीमा संवेदनशील मानी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा दिए गए निर्देशों का ठीक ढंग से अनुपालन करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा पर निगरानी सिस्टम और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखें। बेहतर निगरानी को लेकर नयी तकनीक के साथ काम करें। सीमा पर होनेवाले संदिग्ध मूवमेंट, नशीले पदार्थ, नकली नोट एवं तस्करी जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह अलर्ट रहें, इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। सीमा पर होनेवाले अनैतिक और गैर वैधानिक कार्यों पर पूरी सख्ती बरतें। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह मजबूत रखें। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिवप्रत्यय अमृत ने बताया कि 26-27 फरवरी को केंद्रीय गृह मंत्रीअमित शाह की अध्यक्षता में भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई थी। इस उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन के संबंध में मुख्य सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बैठक में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी, पुलिस महानिदेशक, ऑपरेशन कुंदन कृष्णन, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सैनी ने चंडीगढ़ में साइकिल चलाकर दिया ईंधन की बचत का संदेश

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार सुबह साइकिल से सफर कर प्रदेशवासियों को ईंधन बचत, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री सुबह-सुबह चंडीगढ़ में सुखना लेक पहुंचे, जहां उन्होंने मॉर्निंग वॉक करने आए लोगों से मुलाकात कर स्वस्थ भारत-स्वस्थ हरियाणा का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और मिडल ईस्ट में बने हालात के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से ऊर्जा संरक्षण में सहयोग की अपील की है। प्रधानमंत्री ने आमजन से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सुरक्षित यात्रा करने, इलेक्ट्रिक वाहनों का अधिक उपयोग करने तथा अनावश्यक ईंधन खपत कम करने का आह्वान किया है। हरियाणा सरकार ने भी प्रधानमंत्री के इस आह्वान को गंभीरता से लेते हुए राज्य स्तर पर मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। इसके तहत वर्चुअल मीटिंग्स को बढ़ावा देने, वर्क फ्रॉम होम जैसे विकल्प अपनाने तथा सरकारी कार्यप्रणाली में ऊर्जा बचत को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और अभियानों के माध्यम से आमजन को भी इस मुहिम से जोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प केवल सरकार का नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विपक्ष से भी राजनीति से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भी प्रधानमंत्री ने जब देशवासियों से सहयोग की अपील की थी, तब पूरे देश ने एकजुट होकर उसका पालन किया और सामूहिक प्रयासों से भारत उस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकला।

वैश्विक अशांति से निपटने के लिए जागरूक और संयमित नागरिक बनें : विश्राम मीणा

बीकानेर (हिंस)। इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की बीकानेर शाखा एवं डॉक्टर्स एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में वैश्विक अशांति एवं तनाव से निपटने हेतु जनजागृति अभियान का शुभारंभ जयनारायण व्यास कॉलोनी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया के किसी भी हिस्से में उत्पन्न तनाव का प्रभाव सीधे आम नागरिकों की आर्थिक स्थिति और घरेलू बजट पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में सबसे बड़ा बदलाव आम नागरिक ही ला सकते हैं। उन्होंने अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखने, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने, विदेश यात्राओं को टालने तथा पानी, बिजली और ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग का आह्वान किया। मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने कहा कि वैश्विक अशांति के दौर में आम भारतीय नागरिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए युवाओं से ईंधन बचाने, फिजूलखर्ची रोकने तथा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिकाधिक उपयोग करने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी करना और देश में निर्मित उत्पादों को अपनाना राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पानी की प्रत्येक बूंद, बिजली का प्रत्येक यूनिट और पेट्रोल की हर बूंद आज बहुमूल्य संसाधन हैं। आपदा प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण और सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों एवं नागरिकों से रेडक्रॉस के जागरूकता अभियानों से जुड़ने तथा स्वयंसेवी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी बीकानेर शाखा के चेयरमैन राजेन्द्र जोशी ने कहा कि संस्था द्वारा विद्यालयों, मोहल्लों और उद्यमियों के बीच कार्यशालाओं, ड्रिल तथा सामुदायिक बैठकों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिससे संकटकाल में त्वरित एवं सामूहिक प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम में डॉ. एसआर चाहर, भूपेन्द्र चौधरी तथा डॉ. पवन चौधरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पंजाब में कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए *बैगलेस* डे लागू करने की तैयारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों के लिए शिक्षा विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य परिषद शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण (एससीईआरटी) ने पूरे शैक्षणिक सत्र 2026-27 के दौरान 10 *बैगलेस डे* लागू करने का प्रावधान किया है। यह योजना मई से फरवरी, 2027 के बीच चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक रट्टा प्रणाली से हटकर छात्रों को अनुभव आधारित, गतिविधि-आधारित और कौशल विकास वाली शिक्षा से जोड़ना है। इन दिनों में छात्रों को किताबों के भारी बस्ते से राहत मिलेगी और वे कक्षा के बाहर व्यवहारिक गतिविधियों में भाग लेंगे। एससीईआरटी के अनुसार इन विशेष दिनों में छात्रों को भाषा आधारित गतिविधियां, नाटक, कविता पाठ, गणितीय खेल, विज्ञान प्रयोग, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम और स्थानीय भ्रमण जैसी गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, सामाजिक-भावनात्मक सीख और 21वीं सदी के कौशल विकसित करना है। शिक्षकों को इन दिनों के लिए विशेष गतिविधि योजना तैयार करनी होगी। स्कूलों में लैब, प्रोजेक्टर, खेल सामग्री और स्थानीय विशेषज्ञों की मदद से गतिविधियां कराई जाएंगी। विभाग ने विशेष जरूरत वाले बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम छात्रों में पढ़ाई का दबाव कम करेगा और सीखने को रोचक बनाएगा। मोहाली के शिक्षक हरप्रीत सिंह के अनुसार ऐसी गतिविधियां बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता को बढ़ाती हैं और स्कूल को आनंददायक बनाती हैं।

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्याकांड : सीबीआई के हाथ लगे बलिया के दूसरे राज सिंह के गांव में सन्नाटा

बलिया (हिंस)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्याकांड के मामले में सीबीआई ने यूपी के मुजफ्फरनगर से बलिया के एक और युवक राजकुमार सिंह को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद से उसके गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि उसके पिता ने मीडिया के सामने की है। सीबीआई ने शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्याकांड के मामले को हाथ में लेते ही एक सप्ताह पहले बलिया निवासी राज सिंह को अयोध्या से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद बलिया के गढ़वार थाना क्षेत्र के कुरेजी के मूल निवासी और बलिया जिला मुख्यालय स्थित आनंद नगर मोहल्ले में उसके आवास के सीसीटीवी फुटेज दिखा कर राज सिंह के परिजनों ने राज को बेकसूर बताया था। सीबीआई की जांच आगे बढ़ी तो में बलिया के रातोपुर निवासी एक और राजकुमार सिंह का नाम सामने आया है। सूत्रों के अनुसार आरोपी राजकुमार सिंह हरिद्वार से वापस लौट रहा था। सीबीआई की टीम ने पहले से ही मुजफ्फरनगर स्थित टोल प्लाजा पर जाल बिछा रखा था। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी राजकुमार सिंह को दबोच लिया गया। बलिया जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के रतोपुर गांव के निवासी राजकुमार सिंह के पिता त्रिभुवन नारायण सिंह ने बताया कि सोमवार को सुबह पौने सात बजे सीबीआई के एक अधिकारी का फोन आया था कि राजकुमार सिंह को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने अपने बेटे की गतिविधियों को लेकर अधिक कुछ नहीं बोला। बता दें कि राजकुमार सिंह के विरुद्ध रसड़ा कोतवाली में दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। राजकुमार सिंह के विरुद्ध मारपीट का पहला मुकदमा छह साल पहले वर्ष 2020 में पंजीकृत किया गया था। इसके बाद रसड़ा कोतवाली में रतोपुर गांव के जितेंद्र कुमार भारती की तहरीर पर 15 अप्रैल 2024 को राजकुमार सिंह और उसके पिता त्रिभुवन सिंह सहित कुल ग्यारह लोगों के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। सीबीआई की बलिया से जुड़ी ताजा गिरफ्तारी के बाद एक और युवक के पकड़े जाने की संभावना जताई जा रही है। क्योंकि सूत्रों की मानें तो बांसडीह इलाके के एक गांव में सीबीआई की चहलकदमी की चर्चा है।

गुरदासपुर में आल्टो कार के उड़े परखच्चे, पठानकोट के चार युवकों की मौत

गुरदासपुर (हिंस)। पंजाब के गुरदासपुर में मंगलवार तड़के नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में आल्टो कार में सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और चारों युवक गाड़ी के अंदर बुरी तरह फंस गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 4 बजे जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। हादसे के बाद पुलिस ने कटर की मदद से कार की बॉडी काटकर शवों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है कि चारों युवक एक-दूसरे के ऊपर गिरे हुए थे। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक दो युवकों के शव पिछली सीट पर मिले, जिनमें से एक शव दो सीटों के बीच फंसा हुआ था, जबकि दूसरा उसके ऊपर पड़ा था।

भीषण गर्मी में पेयजल संकट पर फूटा गुस्सा, पीएचईडी अधिकारी का घेराव

बीकानेर (हिंस)। भीषण गर्मी के बीच सुजानदेसर, खुद खुदा डेरा, सलागनाथ जी का डेरा एवं आसपास के क्षेत्रों में कई दिनों से ठप पड़ी पेयजल आपूर्ति को लेकर आमजन का आक्रोश खुलकर सामने आया। क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों के दौरान ठेकेदार की लापरवाही से मुख्य पेयजल पाइपलाइन कट जाने के कारण हजारों लोग पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। समस्या से त्रस्त नागरिकों ने जलदाय विभाग (पीएचईडी) के जेईएन अजय कुमार चौधरी का घेराव कर तत्काल समाधान की मांग उठाई। इससे पूर्व क्षेत्रवासियों और प्रबुद्धजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें भाजपा शहर जिला महामंत्री एवं पूर्व उपमहापौर राजेंद्र पंवार तथा गोपेश्वर मंडल अध्यक्ष प्रेम गहलोत ने प्रशासन और संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना और वैकल्पिक व्यवस्था के मुख्य पाइपलाइन को काट देना जनता के मूल अधिकारों के साथ अन्याय है। भीषण गर्मी में जब पानी की आवश्यकता सबसे अधिक है, तब हजारों परिवार बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं और निजी टैंकरों पर अतिरिक्त खर्च उठाने को मजबूर हैं। किसान मोर्चा जिला मंत्री नेमीचंद गहलोत ने चेतावनी देते हुए कहा कि विकास कार्यों के नाम पर जनता को प्यासा रखना अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन कटने के कई दिनों बाद भी मरम्मत कार्य पूरा नहीं होना विभागीय लापरवाही का स्पष्ट प्रमाण है। क्षेत्रवासियों द्वारा समस्या की जानकारी मिलने पर स्थानीय विधायक जेठानन्द व्यास ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए जलदाय विभाग के अधिकारियों को तत्काल समाधान के निर्देश दिए तथा प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र जलापूर्ति बहाल करने को कहा। इस अवसर पर मुकेश बन, गोपीकिशन गहलोत, दीपक गहलोत, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही और शीघ्र समाधान की मांग की।

दुष्कर्म पीड़िता बहनों के सुसाइड पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने लिया स्वत: संज्ञान

जोधपुर (हिंस)। जिले के खेड़ापा थाना इलाके के एक गांव में दुष्कर्म पीड़ित दो बहनों के आत्महत्या किए जाने पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से सात दिन में कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने एफआईआर के प्रावधानों, आरोपियों की गिरफ्तारी, फोरेंसिक साक्ष्यों और पुलिस निष्क्रियता सहित कई बिंदुओं पर जानकारी मांगी है। इस मामले में 20 मार्च को एक विवाहिता ने आत्महत्या की थी, जिसके बाद 11 अप्रैल को उसकी छोटी बहन ने गैंगरेप और ब्लैकमेल की शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई न होने पर छोटी बहन ने भी 15 अप्रैल को टंकी पर चढ़कर जहर खाकर जान दे दी थी। परिजनों का आरोप है कि समय पर कार्रवाई होती तो दूसरी बहन बच सकती थी। पुलिस ने अब दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, डीएसपी और थानाधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। आयोग ने एफआईआर में लगाए गए प्रावधानों, सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, जांच की वर्तमान स्थिति, डिजिटल एवं फोरेंसिक साक्ष्यों, पीड़ित परिवार द्वारा पूर्व में की गई शिकायतों पर कथित पुलिस निष्क्रियता तथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही संबंधी विवरण मांगे हैं। साथ ही, पीड़ित परिवार को उपलब्ध कराई जा रही कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, सुरक्षा एवं पुनर्वास सहायता तथा भविष्य में महिलाओं से जुड़े यौन अपराधों एवं ब्लैकमेल के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी मांगी गई है। इस पूरे मामले में जांच अधिकारी डीएसपी भूराराम खिलेरी और थानाधिकारी लाखाराम की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पीड़िताओं के परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि यदि 11 अप्रैल को दर्ज एफआईआर पर कार्रवाई कर गिरफ्तारी की जाती, तो 33 दिन बाद छोटी बहन को अपनी जान नहीं देनी पड़ती। जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पीडी नित्या ने दोनों अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय जांच शुरू कर दी है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी। इस घटनाक्रम को लेकर कई तरह के ऑडियो वायरल हो रहे हैं।

औरैया में 1857 के क्रांतिवीरों को न्याय दो के नारे के साथ 31 मई को आयोजित होगा ऐतिहासिक *चंबल शौर्य दिवस*

औरैया (हिंस)। चंबल-यमुना दोआब क्षेत्र में आगामी 31 मई 2026 रविवार को प्रात: 10 बजे राजगढ़ी, चकरनगर में *चंबल शौर्य दिवस* का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा। यह *1857 के क्रांतिवीरों को न्याय दो* के नारे के साथ आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चंबल परिवार अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। आयोजन के दौरान चंबल मिशन की आगामी कार्यनीति भी तय की जाएगी। चंबल फाउंडेशन के अध्यक्ष शाह आलम ने बताया कि 31 मई 1857 को चकरनगर रियासत के राजा कुशलपाल सिंह चौहान और कुंवर निरंजन सिंह चौहान ने दोआब क्षेत्र को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका था। इसके बाद पूरा चंबल अंचल जनक्रांति में बदल गया और कंपनी राज को बीहड़ों के हर मोर्चे पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। चंबल फाउंडेशन परिवार की ओर से संचालित *चंबल मिशन* अभियान के तहत 1857 के इस स्वतंत्रता संग्राम के उपेक्षित क्रांतिकारियों जीता चमार, जंगली-मंगली मेहतर और मारून सिंह लोधी को इतिहास में सम्मानजनक स्थान दिलाने की मांग तेज हो गई है। अभियान के अंतर्गत गांव-गांव जनचौपाल आयोजित कर लोगों को इन गुमनाम वीरों के संघर्ष, बलिदान और क्रांतिकारी योगदान से परिचित कराया जा रहा है। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं का कहना है कि इन क्रांतिनायकों को स्वतंत्रता के दशकों बाद भी उचित पहचान नहीं मिल सकी है। जनचौपालों में उनके संघर्ष की गाथाएं सुनाई जा रही हैं और लोकगीतों के माध्यम से नई पीढ़ी को उनके शौर्य से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान *चंबल शौर्य स्मारक* निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई जा रही है। प्रस्तावित स्मारक में क्रांतिकारियों की प्रतिमाएं, पुस्तकालय, ऑडिटोरियम, लाइट एंड साउंड शो, *चंबल गाथा* डॉक्यूमेंट्री, डाक टिकट जारी करने तथा विश्वविद्यालय की स्थापना जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। साथ ही इन वीरों के जीवन और योगदान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग भी की जा रही है। चंबल मिशन से जुड़े लोगों का कहना है कि नई पीढ़ी को अपने क्षेत्र के इतिहास और बलिदानी परंपरा से जोड़ना समय की आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से जनचौपालों के साथ हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें कागज और कपड़े दोनों पर लोगों से समर्थन लिया जा रहा है। ग्रामीणों और युवाओं में अभियान को लेकर

उत्साह देखा जा रहा है। अभियान के समापन के बाद व्यापक जनसमर्थन से तैयार ज्ञापन सरकार को सौंपा जाएगा। चौरेला, हुकुमपुरा, बेनीपुरा, बंसरी, रौरा का पुरा, लुहिया खुर्द, रेलवे कॉलोनी, बहादुरपुर लोहिया, भीखेपुर, बाबरपुर, शेरपुर कोठी, जगम्मनपुर, गढ़िया मुलू सिंह, राजपुर, अयारा, झम्मनपुर, बनकटी खुर्द, शिवराजपुर, हरनाथपुर, कल्याणपुर, रजपुरा, नगला ताड़, लोहिया कला, भारौली का पुरा, जामना, बल्लो गढ़िया, सिंडौस, मरदान पुरा, खुशहाली का पुरा, हिम्मतपुर, जुहीखा, तातारपुर, पान सिंह का पुरा, कंजौसा, भरथना, भैसाई, जारपुरा, पूठन सकरौली, लोकटी, लोहन्ना, कर्वाखेड़ा, बिरहाई, मुकुटपुरा, निवाड़ी कला, महेवा, बिठौली, शेरगढ़, नीमरी, करियावली, कालेश्वर गढ़िया, बिहार और पिपरौली गढ़िया सहित कई गांवों में जनसंपर्क और जनचौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। अभियान के अनुसार चंबल की धरती सदियों से अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और आत्मसम्मान की प्रतीक रही है। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में चकरनगर और भरेह रियासत ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर पंचनद घाटी को स्वतंत्र घोषित किया था। इस दौरान चंबल के रणबांकुरों ने अंग्रेजी सेना को कई मोर्चों पर चुनौती दी। जंगली-मंगली मेहतर को अभियान में दलित शौर्य के अमर प्रतीक के रूप में याद किया जा रहा है। बताया गया कि उन्होंने चकरनगर को केंद्र बनाकर अंग्रेजों के खिलाफ कई युद्ध लड़े और वर्ष 1858 में वीरगति प्राप्त की। वहीं बंसरी गांव के जीता चमार को पंचनद क्षेत्र का अडिग योद्धा बताया गया, जिन्होंने अंग्रेजों के आत्मसमर्पण के प्रस्ताव को ठुकराते हुए अंतिम समय तक संघर्ष जारी रखा। मारून सिंह लोधी को चंबल का निर्भीक क्रांतिनायक बताते हुए कहा गया कि ब्रिटिश दस्तावेजों में भी उनकी वीरता का उल्लेख मिलता है। अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यूम ने उन्हें *नॉर्थ-वेस्टर्न प्रोविन्स का सबसे खतरनाक व्यक्ति* तक कहा था। गिरफ्तारी और फांसी की सजा के बावजूद उन्होंने अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ संघर्ष जारी रखा। शाह आलम का कहना है कि स्वतंत्र भारत में इन क्रांतिवीरों के इतिहास का ईमानदार पुनर्मूल्यांकन नहीं हुआ और उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे वास्तविक हकदार थे। उनका कहना है कि चंबल की पहचान केवल बीहड़ या अपराध नहीं, बल्कि बलिदान, विद्रोह और स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली परंपरा रही है।

एक हफ्ते में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, प्रति लीटर करीब 90 पैसे की बढ़ोतरी

नई दिल्ली

देश में एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा इजाफा कर दिया गया है। तेल कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल और डीजल के दाम में करीब 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि मात्र एक हफ्ते के भीतर यह दूसरी बार है जब ईंधन के दाम इस तरह से बढ़ाए गए हैं।

इस नई बढ़ोतरी से ठीक तीन दिन पहले, शुक्रवार को ही केंद्र सरकार ने देशभर में पेट्रोल और डीजल दोनों की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर का भारी इजाफा किया था। उस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये हो गया था। अब मंगलवार को फिर से दाम बढ़ने के बाद राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे और महंगा होकर 98.64 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, दिल्ली में डीजल 91 पैसे महंगा होकर 91.58 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।

देश के बाकी बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के नए दाम क्या हैं - राजधानी दिल्ली के अलावा देश के अन्य प्रमुख महानगरों में भी पेट्रोल और डीजल के दामों में तेज उछाल देखा गया है। मायानगरी मुंबई में पेट्रोल की कीमत में 91 पैसे की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 107.59 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 94 पैसे महंगा होकर 94.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल के दाम सबसे ज्यादा 96 पैसे बढ़े हैं और वहां यह 109.70 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, वहीं डीजल 94 पैसे बढ़कर 96.07 रुपये हो गया है। चेन्नई की बात करें तो यहां पेट्रोल 82 पैसे महंगा होकर 104.49 रुपये और डीजल 86 पैसे बढ़कर 96.11 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। पूरी दुनिया में ईंधन को लेकर इतना बड़ा संकट क्यों खड़ा हो गया है पेट्रोल और डीजल के दामों में इस तरह की लगातार बढ़ोतरी के पीछे अंतरराष्ट्रीय कारण बहुत बड़ी वजह हैं।

दरअसल, पश्चिमी एशिया के देशों में चल रहे संघर्ष और युद्ध के कारण दुनिया भर में ऊर्जा का बहुत बड़ा संकट खड़ा हो गया है। इस विवाद के कारण समुद्री व्यापार के सबसे अहम रास्तों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट आ गई है। इसी साल 28 फरवरी से अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध शुरू हो गया था, जिसके बाद से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल के आसपास घूम रही है, हालांकि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान इस झगड़े में लंबे समय के युद्धविराम के लिए बातचीत करने की कोशिश कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बजाज की जल्द आएगी नई एवेंजर 220 स्ट्रीट बाइक

नई दिल्ली। बाइक निर्माता स्वदेशी कंपी बजाज आटो ने वेबसाइट पर नई एवेंजर 220 स्ट्रीट को कमिंग सून टैग के साथ सूचीबद्ध कर दिया है। माना जा रहा है कि कंपनी जल्द ही इस मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में लान्च कर सकती है। खास बात यह है कि एवेंजर 220 स्ट्रीट लगभग छह साल बाद वापसी कर रही है। इसे आखिरी बार वर्ष 2020 में बंद किया गया था। नई एवेंजर 220 स्ट्रीट उसी प्लेटफार्म पर तैयार की गई है, जिस पर एवेंजर 220 क्रूज आधारित है। बाइक में 220 सीसी का सिंगल सिलेंडर आयल-कूल्ड इंजन मिलेगा, जो 19 हार्सपावर की ताकत और 17.5 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता है। कंपनी इसे एबोनी ब्लैक और काकटेल वाइन रेड जैसे दो रंग विकल्पों में पेश करेगी। बाइक में 13 लीटर का फ्यूल टैंक, 737 मिमी सीट हाइट और 169 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसका वजन लगभग 160 किलोग्राम होगा। एवेंजर 220 स्ट्रीट को क्रूज माडल की तुलना में अधिक स्पोर्टी और शहरों में आसान राइडिंग के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इसमें छोटे हैंडलबार, मैट ब्लैक फिनिश और बिना बड़े विंडशील्ड वाला डिजाइन मिलेगा। इसके अलावा सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हैलोजन हेडलाइट और स्पोर्टी पिलियन बैकरेस्ट जैसे फीचर्स भी मिलेंगे। कंपनी जल्द ही इसकी कीमत की घोषणा कर सकती है। सुरक्षा के लिए बाइक में फ्रंट डिस्क ब्रेक, सिंगल चैनल एबीएस, टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क और ड्यूल शाक एब्जार्बर दिए गए हैं।

वैश्विक तनाव से क्रिप्टो बाजार में खलबली, बिटकाइन मई के निचले स्तर पर

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकाइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 76,568 डालर पर आ गई, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई। वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सोमवार को बिटकाइन ने मई महीने का अपना सबसे निचला स्तर छू लिया। 76,568 डालर तक गिरने के बाद, खबर लिखे जाने तक यह 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 77,256 डालर पर कारोबार कर रहा था। एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जबकि एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट में लगभग 50 करोड़ डालर के लान्ग पोजिशन खत्म हो गए। जार में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान तनाव से पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को चेतावनी भरे बयान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी आशंकाओं ने निवेशकों को जोखिम वाले निवेश से दूर कर दिया। इसके साथ ही, स्पाट बिटकाइन ईटीएफ से पिछले सप्ताह 1 अरब डालर से अधिक की रिकार्ड निकासी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया, जो जनवरी के बाद पहली बार हुआ है।

अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी को बड़ी राहत, आपराधिक मामले बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने गौतम अडानी और अडानी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। न्यूयार्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्राड के मामले को अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह फैसला अडानी ग्रुप से जुड़े अमेरिका के कई प्रमुख कानूनी और नियामक मामलों का पटाक्षेप करता है, जिससे समूह को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला उन आरोपों के बाद आया है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर परियोजनाओं के लिए कथित रिश्वत योजना और अमेरिकी निवेशकों से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। समूह ने इन आरोपों को हमेशा बेबुनियाद बताया था। अमेरिकी अदालत में दाखिल दस्तावेजों में, न्याय विभाग ने आगे संसाधन खर्च न करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले को विद प्रेजुडिसेज खारिज कर दिया, यानी इसे भविष्य में दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। जांच में, अभियोजकों को आरोपों के पर्याप्त सबूत या स्पष्ट अमेरिकी कनेक्शन नहीं मिले, जिसके बाद डीओजे ने केस वापस लिया। अडानी के वकीलों ने अदालत में मजबूत कानूनी दलीलें दी थीं। हाल ही में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी के साथ सिविल सेटलमेंट किया था, जिसमें उन्होंने बिना गलती स्वीकार किए भुगतान पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओफेक एजेंसी ने भी ईरान से एलपीजी आयात से जुड़े प्रतिबंध उल्लंघन मामले को अडानी ग्रुप के 27.5 करोड़ डालर के भुगतान और सहयोग के बाद के साथ निपटाया था।

भारतीय बाजार में लगातार बढ़ रही 7-सीटर गाड़ियों की मांग

नई दिल्ली

अप्रैल 2026 की बिक्री रिपोर्ट में 7-सीटर गाड़ियों का मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जिससे ग्राहकों की बढ़ती दिलचस्पी साफ झलकती है। भारतीय बाजार में बड़े परिवारों के लिए 7-सीटर गाड़ियों की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले महीने इस श्रेणी की प्रमुख कारों ने कुल 42,542 नए ग्राहक जुटाए, जो पिछले साल की तुलना में करीब 15 प्रतिशत ज्यादा है। बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी अर्टिगा ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया और अपनी लोकप्रियता साबित की। अप्रैल 2026 में मारुति अर्टिगा की कुल 19,063 यूनिट्स बिकीं।

यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल में बिकी 15,781 यूनिट्स के मुकाबले करीब 20 प्रतिशत ज्यादा है। बेहतर माइलेज, बड़े केबिन और किफायती कीमत के कारण यह कार परिवारों की पहली पसंद बनी हुई है। दूसरे स्थान पर टोयोटा इनोवा क्रिस्टा रही, जिसकी पिछले महीने कुल 9,630 यूनिट्स की बिक्री हुई। अप्रैल 2025 में इसकी 7,698 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे सालाना आधार पर 25 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह दर्शाता है कि प्रीमियम एमपीवी सेगमेंट में इनोवा की मजबूत पकड़ अब भी बरकरार है। तीसरे स्थान पर किआ कैरेंस क्लैविस रही, जिसे अप्रैल 2026 में 5,465 नए ग्राहक मिले।

पिछले साल इसी अवधि में इसकी 5,260 यूनिट्स बिकी थीं, यानी इसकी बिक्री में करीब 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मारुति सुजुकी एक्सएल6 इस सूची की एकमात्र ऐसी कार रही जिसकी बिक्री में गिरावट आई। पिछले महीने इसकी 3,527 यूनिट्स बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 4,140 यूनिट्स था, जिससे इसकी बिक्री करीब 15 प्रतिशत घट गई। टोयोटा रुमियन ने भी टाप-5 सूची में जगह बनाई। अप्रैल 2026 में इसकी 2,585 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा, रेनो ट्राइबर की 1,917 यूनिट्स, मारुति सुजुकी इनविक्टो की 237 यूनिट्स और टोयोटा वेलफायर की 118 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई।

अप्रैल माह में वोक्सवैगन ने की कुल 2,828 गाड़ियों की बिक्री

नई दिल्ली। जर्मन कार निर्माता कंपनी वोक्सवैगन इंडिया लगातार अपने ग्राहकों का भरोसा बनाए हुए है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल माह में कंपनी ने कुल 2,828 गाड़ियों की बिक्री की। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में थोड़ा कम रहा, लेकिन कंपनी की लोकप्रिय एसयूवी वोक्सवैगन टाइगुन ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की। अप्रैल माह में टाइगुन की 1,543 यूनिट्स बिकीं और कंपनी की कुल बिक्री में इसका हिस्सा 54 प्रतिशत से ज्यादा रहा। इस एसयूवी ने सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की मजबूत ग्रोथ दर्ज की है। वहीं, कंपनी की सेडान वोक्सवैगन वर्टस की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, जो बाजार में एसयूवी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। वोक्सवैगन ने हाल ही में अपडेटेड टाइगुन को लान्च किया है, जिसमें कई नए और आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। नई एसयूवी में लाइट बार, इल्यूमिनेटेड लोगो, बड़ा डिजिटल काकपिट, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे आधुनिक फीचर्स शामिल हैं, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव प्रदान करते हैं। इसके अलावा, 1.0 टीएसआई इंजन के साथ 8-स्पीड आटोमैटिक गियरबाक्स का विकल्प भी ग्राहकों को मिलेगा, जिससे ड्राइविंग अनुभव और भी बेहतर हो गया है। कंपनी ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए 3 साल बाद 75 प्रतिशत तक सुनिश्चित बायबैक की सुविधा भी शुरू की है, जो खरीदारों को विश्वास दिलाती है।

अप्रैल 2026 में एमजी मोटर ने की कुल 6,018 वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत जेएसडब्ल्यू के साथ साझेदारी में काम कर रही एमजी मोटर ने सकारात्मक बिक्री आंकड़ों के साथ की है। एमजी मोटर ने अप्रैल 2026 में कुल 6,018 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल अप्रैल 2025 में बेची गई 5,829 यूनिट के मुकाबले करीब 3 प्रतिशत ज्यादा है।

हालांकि कंपनी की कुछ कारों की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, लेकिन एमजी विंडसर ने एक बार फिर सबसे ज्यादा बिकने वाले माडल का स्थान हासिल किया, जो बाजार में इसकी मजबूत पकड़ को दर्शाता है। अप्रैल 2026 में, एमजी विंडसर की कुल 3,296 यूनिट्स बिकीं। हालांकि यह आंकड़ा पिछले साल अप्रैल में बिकी 3,660 यूनिट्स के मुकाबले लगभग 10 प्रतिशत कम रहा, फिर भी इसने कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का दर्जा बरकरार रखा।

एमजी हेक्टर ने बिक्री के मामले में शानदार प्रदर्शन किया, जिसकी पिछले महीने 1,297 यूनिट्स बिकीं। यह आंकड़ा अप्रैल 2025 में बेची गई 977 यूनिट्स की तुलना में करीब 33 प्रतिशत की महत्वपूर्ण बढ़ोतरी दर्शाता है, जो एसयूवी सेगमेंट में इसकी बढ़ती मांग का संकेत है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में एमजी जेडएस ईवी तीसरे स्थान पर रही, जिसकी अप्रैल 2026 में 717 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने इसकी 864 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे बिक्री में करीब 17 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, एमजी कामेट ईवी ने सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की, जिसकी 601 यूनिट्स बिकीं, जबकि अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा केवल 191 यूनिट्स था, यानी कामेट ईवी की बिक्री में सालाना आधार पर 215 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी हुई। यह छोटी और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है।

दूसरी ओर, एमजी एस्टर की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, जिसकी केवल 107 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने 133 यूनिट्स बिकी थीं, जिससे बिक्री में करीब 20 प्रतिशत की कमी आई। कंपनी की प्रीमियम एसयूवी ग्लास्टर को अप्रैल महीने में एक भी ग्राहक नहीं मिला।

दुनिया भर में बैटरी सप्लाई करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक कंपनी अब केवल स्कूटर निर्माता तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि बैटरी टेक्नोलाजी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है। कई आटोमोबाइल कंपनियों के साथ ओला इलेक्ट्रिक कंपनी लिथियम-आयन सेल और बैटरी पैक सप्लाई करने को लेकर बातचीत कर रही है। यह सप्लाई तमिलनाडु के कृष्णागिरी स्थित कंपनी की अत्याधुनिक गीगाफैक्ट्री से किए जाने की योजना है, जो भारत में बैटरी निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा। बेंगलुरु स्थित ओला इलेक्ट्रिक वर्तमान में भारत की एकमात्र सक्रिय गीगाफैक्ट्री संचालित कर रही है, जिसकी क्षमता 6 गीगावाट घंटा है। कंपनी ने अपनी सहायक इकाई ओला सेल टेक्नोलाजीज के जरिए 4680 फार्मेट की भारत सेल तकनीक को बड़े स्तर पर सफलतापूर्वक लागू किया है, जिससे ओला दुनिया की दूसरी ऐसी कंपनी बन गई है जिसने यह उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कंपनी जुलाई 2027 तक अपनी क्षमता बढ़ाकर 12 गीगावाट घंटा और वित्त वर्ष 2028 के अंत तक 20 गीगावाट घंटा करने की तैयारी में है। इस प्रस्तावित क्षमता का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बाहरी कंपनियों को बैटरी सप्लाई करने के लिए आरक्षित किया जाएगा। कई आटोमोबाइल कंपनियां फिलहाल ओला की मैन्युफैक्चरिंग सुविधा का मूल्यांकन कर रही हैं और भविष्य में लंबे समय के समझौते होने की संभावना जताई जा रही है।

पेटीएम का पाकेट मनी फीचर लान्च: बच्चे बिना बैंक अकाउंट कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट, मंथली लिमिट 15000; पैरेंट्स के पास खर्च का पूरा कंट्रोल होगा

नई दिल्ली

पेटीएम ने टीनेजर्स के लिए पेटीएम पाकेट मनी फीचर लान्च किया है, जिसके जरिए वे बिना खुद का बैंक अकाउंट खोले सुरक्षित डिजिटल पेमेंट कर सकेंगे। इस नए फीचर में पैरेंट्स को बच्चों के खर्च पर नजर रखने, मंथली लिमिट तय करने और रीयल-टाइम ट्रैकिंग करने की पूरी सुविधा मिलेगी।फिनटेक फर्म वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) ने आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान किया है।

रहेगा खर्च का पूरा कंट्रोल - कंपनी के बयान के मुताबिक, पैरेंट्स और परिवार के भरोसेमंद सदस्य अपने बच्चों को सुरक्षित और रेगुलेटेड पेमेंट एक्सेस दे सकते हैं। वे अपने पेटीएम एप के जरिए बच्चों के लिए एक तय खर्च सीमा निर्धारित कर सकेंगे। इससे पैरेंट्स अपने बच्चों के हर ट्रांजैक्शन को लगातार ट्रैक कर पाएंगे और उनका कंट्रोल हमेशा बना रहेगा। रोजमर्रा के खर्चों को डिजिटल बनाने की कोशिश भारत में टीनेजर्स हर दिन शापिंग, मोबाइल रिचार्ज, मेट्रो किराया, कैब बुकिंग और स्कूल-कालेज की कैंटीन जैसे जरूरी कामों के लिए लगातार डिजिटल पेमेंट कर रहे हैं। वर्तमान में कई बच्चे इन खर्चों के लिए पूरी तरह पैरेंट्स या कैश पर निर्भर हैं। पेटीएम पाकेट मनी के जरिए बच्चों को एक सुरक्षित माध्यम मिलेगा, जिससे परिवारों में छोटी उम्र से ही जिम्मेदार वित्तीय आदतें विकसित करने में मदद मिलेगी।

अब ओटीपी मांगने की जरूरत नहीं होगी - इस फीचर के एक्टिवेट होने के बाद टीनेजर्स अपने खुद के फोन में पेटीएम एप का इस्तेमाल करके आनलाइन और आफलाइन मर्चेंट्स को सुरक्षित यूपीआई पेमेंट कर सकेंगे। इसके लिए अब उन्हें पेमेंट करते समय पैरेंट्स से ओटीपी मांगने, उनका फोन उधार लेने या पैरेंट्स को वाट्सएप पर क्यूआर कोड भेजने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी।

15 हजार का मंथली कैप तय किया गया - पेटीएम पाकेट मनी के तहत पैरेंट्स एनपीसीआई के यूपीआई सर्कल के माध्यम से बच्चों को इनवाइट कर सकते हैं। इसके तहत पूरे यूपीआई नेटवर्क पर मंथली लिमिट अधिकतम 15,000 रुपए और एक बार में इंडिविजुअल पेमेंट की लिमिट 5,000 रुपए तक सेट की जा सकती है। यह सर्विस सेविंग्स और करंट दोनों तरह के अकाउंट्स पर अवेलेबल है, लेकिन इससे इंटरनेशनल पेमेंट्स और कैश विड्राल करने पर पाबंदी रहेगी।

स्पेंड समरी से पूरा बजट ट्रैक होगा - यह नया फीचर पेटीएम स्पेंड समरी के साथ पूरी तरह इंटीग्रेट है, जो हर एक पेमेंट को आटोमैटिकली अलग-अलग कैटेगरीज में बांट देता है।

इससे परिवार आसानी से अपने कुल खर्चों पर नजर रख सकते हैं, पाकेट मनी के बजट को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं और बच्चों को पैसों के सही इस्तेमाल की सीख दे सकते हैं। एप में पेमेंट हिस्ट्री देखने का भी पूरा आप्शन मिलेगा।

सुरक्षा के लिए इन-बिल्ट सेफ्टी मेजर्स - पेटीएम ने इसमें सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। फीचर एक्टिवेट होने के शुरुआती 30 मिनट में केवल 500 रुपए और पहले 24 घंटों में अधिकतम 5,000 रुपए तक का ही ट्रांजैक्शन किया जा सकेगा। किसी भी समय जरूरत पड़ने पर पैरेंट्स अपने पेटीएम यूपीआई पिन का इस्तेमाल करके खर्च की लिमिट को बदल सकते हैं या बच्चों का एक्सेस तुरंत कैंसल कर सकते हैं। इसके अलावा डिवाइस लाक होना भी अनिवार्य है। क्या होता है यूपीआई सर्कल और इन-बिल्ट सेफ्टी यूपीआई सर्कल: यह नेशनल पेमेंट्स कारपोरेशन आफ इंडिया द्वारा शुरू की गई एक खास तकनीक है।

मेटा में बड़े बदलाव की तैयारी:10% कर्मचारियों की छंटनी की योजना, 7000 कर्मियों को एआई विभाग में करेगा शिफ्ट

कैलिफोर्निया

फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने इस सप्ताह होने वाली अपनी छंटनी योजना का विवरण साझा किया है। कंपनी ने सोमवार को कर्मचारियों को भेजे एक ज्ञापन में बताया कि वैश्विक कार्यबल में कटौती के साथ संगठनात्मक बदलाव भी किए जाएंगे। इन बदलावों का मुख्य उद्देश्य कंपनी के एआई वर्कफ्लो में सुधार लाना है। यह पुनर्गठन कंपनी के भविष्य की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक की मूल कंपनी मेटा बुधवार को अपने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, इस साल के आखिर तक और भी बड़े स्तर पर कटौती की संभावना जताई गई है।

7,000 कर्मचारियों को एआई टीमों में भेजा जाएगा

मेटा की चीफ पीपल आफिसर जेनेल गैल ने कर्मचारियों को बताया कि कंपनी 7,000 कर्मचारियों को एआई वर्कफ्लो से जुड़ी नई पहलों में स्थानांतरित करेगी। साथ ही कुछ प्रबंधकीय पदों को भी समाप्त किया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा, कई लीडर संगठनात्मक बदलावों की घोषणा करेंगे।

मेमो में कहा गया, जैसे-जैसे संगठनात्मक नेतृत्व इन बदलावों पर काम कर रहा था, कई टीमों ने अपनी नई संरचनाओं में एआई-नेटिव डिजाइन सिद्धांतों को शामिल किया। अब हम उस चरण में पहुंच गए हैं, जहां कई संगठन अधिक समतल संरचना के साथ काम कर सकते हैं। इसमें छोटी पाड और कोहोर्ट टीमों का गठन होगा, जो अधिक तेजी और ज्यादा जिम्मेदारी के साथ काम कर सकेंगी। मेटा के एक प्रवक्ता ने इस योजना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एआई बदलावों से पुनर्गठन को बढ़ावा

ये बदलाव मेटा की इस साल की व्यापक पुनर्गठन योजना का हिस्सा हैं। कंपनी एआई में निवेश बढ़ा रही है, ताकि एआई एजेंट्स को अपने उत्पादों के साथ-साथ आंतरिक कार्यप्रणाली के केंद्र में भी लाया जा सके।

कुल 20% कर्मचारियों पर पड़ेगा असर

रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों की छंटनी और ट्रांसफर मिलाकर मेटा के करीब 20 प्रतिशत वर्कफोर्स पर असर पड़ सकता है। कंपनी ने इस प्रक्रिया के तहत 6,000 ओपन जाब रोल्स भी बंद कर दिए हैं। मार्च 2026 तक मेटा में करीब 77,986 कर्मचारी काम कर रहे थे।

कर्मचारियों में बढ़ रहा विरोध

मेटा के अंदर इन बदलावों को लेकर कर्मचारियों में नाराजगी भी बढ़ रही है। कई कर्मचारियों ने आफिस में पोस्टर लगाकर विरोध जताया है, जबकि कंपनी के इंटरनल प्लेटफार्म वर्कप्लेस पर भी कर्मचारियों ने खुलकर नाराजगी जाहिर की। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,000 से ज्यादा कर्मचारियों ने एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं। इसमें कंपनी द्वारा माउस-ट्रैकिंग साफ्टवेयर इस्तेमाल करने का विरोध किया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि इस तकनीक के जरिए एआई माडल को इंसानों के कंप्यूटर इस्तेमाल करने के तरीके सिखाए जा रहे हैं। टेक सेक्टर में एआई के कारण बढ़ रही छंटनी मेटा अकेली कंपनी नहीं है जो एआई के कारण रीस्ट्रक्चरिंग कर रही है। इस साल कई बड़ी अमेरिकी टेक कंपनियों ने एआई आटोमेशन के चलते कर्मचारियों की संख्या कम की है।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ब्राज़ील टीम का ऐलान, नेमार की वापसी

कार्लो एंचेलोटी ने घोषित की ब्राज़ील की विश्व कप टीम, विनीसियस जूनियर भी शामिल

नई दिल्ली

ब्राज़ील पुरुष फुटबाल टीम के मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर दिया। टीम में स्टार फुटबालर नेमार की वापसी हुई है, जो 2023 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए हैं। 34 वर्षीय नेमार अपने करियर का चौथा फीफा विश्व कप खेलेंगे। वह ब्राज़ील के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबाल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

उन्होंने 128 मैचों में 79 गोल किए हैं। रियो डी जेनेरियो के म्यूज़ियम आफ टुमारो में जब एंचेलोटी ने नेमार का नाम घोषित किया तो वहां मौजूद समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया।

ब्राज़ील को फीफा विश्व कप 2026 में मोरक्को, हैती और स्काटलैंड के साथ ग्रुप में रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 13 जून को मोरक्को के खिलाफ करेगी।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए ब्राज़ील टीम

गोलकीपर: एलिसन, एडर्सन, वेवर्टन

डिफेंडर: मार्किन्होस, गेब्रियल मागाल्हाएस, ब्रेमर, लियो परेरा, डेनिलो, वेस्ले, डगलस सैंटोस, एलेक्स सैंड्रो, इबानेज

मिडफील्डर: ब्रूनो गुइमारेस, कासेमिरो, डेनिलो एस., लुकास पाक्वेटा, फाबिन्हो

फारवर्ड: विनीसियस जूनियर, राफिन्हा, गेब्रियल मार्टिनेली, एंड्रिक, इगोर थियागो, मथियस कुन्हा, नेमार, लुइज हेनरिक, रायन।

आईपीएल से पहले टेस्ट क्रिकेट में गूंज चुका हैं पर्ची कांड, दिनेश रामदीन ने मैदान पर ऐसे दिया था करारा जवाब

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक, स्लेजिंग और जवाबी बयानबाजी कोई नई बात नहीं है, लेकिन कभी-कभी कुछ घटनाएं ऐसी हो जाती हैं जो वर्षों बाद भी चर्चा में बनी रहती हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में हाल के वर्षों में खिलाड़ियों द्वारा जेब से पर्ची निकालकर जश्न मनाने की घटनाएं खूब सुर्खियों में रही है। अभिषेक शर्मा के बाद उर्विल पटेल, रघु और आकाश सिंह भी इस तरह की चर्चा का हिस्सा बने। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेट में ऐसा पर्ची कांड कई साल पहले ही हो चुका था, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था। यह घटना साल 2012 में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच एजबेस्टन टेस्ट मैच के दौरान हुई थी। वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश रामदीन उस समय खराब फार्म से जूझ रहे थे। उनकी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज सर विवियन रिचर्ड्स ने भी सार्वजनिक रूप से रामदीन के प्रदर्शन की आलोचना की थी। विवियन रिचर्ड्स ने कहा था कि रामदीन का खेल पहले जैसा नहीं रहा और वह उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। यह बयान रामदीन को काफी चुभ गया और उन्होंने इसका जवाब मैदान पर देने का फैसला किया।

न्यूज ब्रीफ

विकेट आसान नहीं था, इसलिए अंत तक टिके रहना जरूरी था – ईशान किशन

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बल्लेबाज ईशान किशन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ सोमवार रात शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। चेन्नई की धीमी और चुनौतीपूर्ण पिच पर 47 गेंदों में 70 रन बनाने वाले ईशान ने मैच के बाद कहा कि विकेट आसान नहीं था और ऐसे में उनकी कोशिश अंत तक बल्लेबाजी करने की थी। ईशान किशन ने बताया कि विकेटकीपिंग करते समय ही उन्हें अंदाजा हो गया था कि 180 रन का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं होगा। मैच के बाद उन्होंने कहा, जब मैं विकेटकीपिंग कर रहा था, तभी मुझे लगा कि यह विकेट बिल्कुल आसान नहीं है। खासकर जब स्पिनर गेंदबाजी कर रहे थे और स्लोअर गेंदें प्रभावी हो रही थीं। मुझे महसूस हुआ कि इस लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल रहेगा। ऐसे में नंबर-3 बल्लेबाज होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि मैं अंत तक खेलूं और मैच खत्म करके आऊं। ईशान तीसरे ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे और लगभग अंत तक क्रीज पर डटे रहे। जब हैदराबाद को जीत के लिए केवल 6 रन चाहिए थे, तब वह आउट हुए। उनकी इस पारी ने टीम की जीत की नींव रखी। उन्होंने कहा, यह सिर्फ खुद पर भरोसा बनाए रखने की बात थी। कई बार परिस्थितियां कठिन होती हैं, लेकिन आपको खुद पर शक नहीं करना चाहिए। मैं बस चीजों को सरल रखना चाहता था और जितने ज्यादा ओवर संभव हो सके बल्लेबाजी करना चाहता था। ईशान ने आगे कहा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के कारण गेंदबाजों के लिए लगातार सही एरिया में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता। क्लासेन के साथ अहम साझेदारी ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। दोनों बल्लेबाज तब साथ आए जब स्कोर 56/2 था और रनगति 10 रन प्रति ओवर से ऊपर पहुंच चुकी थी।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी

नई दिल्ली। आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे।

ऋतुराज गायकवाड़ अच्छे कप्तान साबित होंगे, लेकिन बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत : स्टीफन फ्लेमिंग

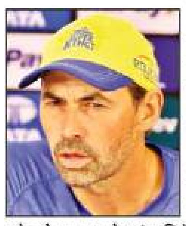

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का समर्थन करते हुए कहा है कि वह भविष्य में फ्रेंचाइजी के लिए बेहतरीन कप्तान साबित होंगे, हालांकि इस सीजन में उनकी बल्लेबाजी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रही है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स को सोमवार को पांच विकेट से मिली हार के बाद फ्लेमिंग ने कहा कि ऋतुराज को बल्लेबाजी में और बेहतर प्रदर्शन करना होगा। फ्लेमिंग ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि ऋतुराज और बेहतर कर सकते हैं। वह पहले भी ऐसा कर चुके हैं। वह शीर्ष क्रम के शानदार बल्लेबाज रहे हैं। लेकिन इस सीजन में उन्होंने अपने करियर के मुताबिक न तो उतने रन बनाए हैं और न ही उसी गति से रन बनाए हैं। यह ऐसी चीज है जिस पर वह जरूर काम करेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को चेन्नई में खेले गए मुकाबले में सीएसके को एक ओवर शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स अब लगातार तीसरे सीजन प्लेआफ में पहुंचने से चूकती नजर आ रही है। ऋतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी, खासकर पावरप्ले में धीमी शुरुआत, इस सीजन लगातार चर्चा का विषय रही है। हैदराबाद के खिलाफ मैच में भी वह शुरुआती छह ओवर में 11 गेंदों पर सिर्फ 9 रन ही बना सके। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन की चोट का जिक्र करते हुए कहा, कम से कम इस साल वह पूरे समय टीम के साथ थे। पिछले साल चोट के कारण वह उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उस आधार पर उनका आकलन करना उचित नहीं होगा।

रानी अंडर–18 टीम के साथ शानदार काम कर रही हैं : टिम व्हाइट

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम के मुख्य कोच ने भोपाल दौरे के दौरान की युवा खिलाड़ियों की सराहना

भोपाल

भारतीय जूनियर महिला हाकी टीम के मुख्य कोच टिम व्हाइट ने भारत-आस्ट्रेलिया अंडर-18 एक्सपोजर सीरीज़ के दौरान युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। भोपाल में चल रही इस सीरीज़ के दौरान खिलाड़ियों का निरीक्षण करने पहुंचे व्हाइट ने कहा कि अंडर-18 टीम की कोच रानी रामपाल युवा खिलाड़ियों के साथ शानदार काम कर रही हैं। करीब छह सप्ताह पहले बेंगलुरु में भारतीय अंडर-21 महिला टीम की जिम्मेदारी संभालने वाले व्हाइट ने कहा कि जूनियर और सीनियर स्तर के बीच मजबूत तालमेल बनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने हाकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं भोपाल आकर अंडर-18 खिलाड़ियों को देखने के लिए बेहद उत्सुक था क्योंकि यही हमारे भविष्य की प्रतिभाओं की सीधी पाइपलाइन है। रानी के साथ मेरी शानदार बातचीत और तालमेल रहा है और वह इस युवा टीम के साथ बेहतरीन काम कर रही हैं।

व्हाइट ने कहा कि इस टीम में कई 15 और 16 वर्ष की खिलाड़ी हैं, जिनमें शारीरिक और तकनीकी रूप से आगे बढ़ने की काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले और दूसरे मैच के बीच खिलाड़ियों में जो सुधार और अनुकूलन देखने को मिला, वह काफी उत्साहजनक है। यह सीरीज़ दोनों देशों के लिए खिलाड़ियों के विकास पर केंद्रित है।

उन्होंने भारतीय हाकी में अपने शुरुआती अनुभव साझा करते हुए कहा कि हाकी इंडिया लीग में तमिलनाडु ड्रैगन्स पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में काम करने से उन्हें भारतीय हाकी को समझने में मदद मिली।

व्हाइट ने कहा, पिछले छह सप्ताह काफी व्यस्त रहे, लेकिन हमने शुरुआती चरण में वही हासिल किया जो मैं चाहता था। आस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसे देशों में कोचिंग करने के अनुभव के आधार पर मैं मानता हूं कि कोचिंग के मूल सिद्धांत हर जगह समान होते हैं। भाषा की कुछ छोटी बाधाएं हैं, लेकिन हम अनुवाद, व्हाइटबोर्ड और सरल संदेशों की मदद से उन्हें आसानी से दूर कर लेते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मेरा पहला लक्ष्य भारतीय जूनियर लड़कियों को आधुनिक और अलग शैली की हाकी खिलाना है, जिससे उनकी पूरी क्षमता सामने आ सके।

सितंबर में चीन में होने वाले जूनियर महिला एशिया कप को ध्यान में रखते हुए व्हाइट ने कहा कि टीम का लक्ष्य सिर्फ जूनियर स्तर पर पदक जीतना नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को सीनियर टीम के लिए तैयार करना है।

उन्होंने कहा, हमारा अल्पकालिक लक्ष्य सितंबर तक ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है जो चीन जैसी एशियाई ताकतों को कड़ी चुनौती दे सके। लेकिन जूनियर कार्यक्रम का असली उद्देश्य खिलाड़ियों में सही आदतें, तकनीकी समझ और खेल शैली विकसित करना है ताकि वे सीनियर टीम में जाकर तुरंत विश्वस्तरीय प्रदर्शन कर सकें।

यूरोप और भारत के खिलाड़ी विकास माडल की तुलना करते हुए व्हाइट ने कहा, बेल्जियम और नीदरलैंड जैसे यूरोपीय देशों में खिलाड़ियों का विकास क्लब प्रणाली के जरिए होता है, जबकि भारत में विशाल भौगोलिक क्षेत्र के कारण हास्टल और अकादमी आधारित प्रणाली पर ज्यादा निर्भरता है। दोनों प्रणालियों के अपने फायदे हैं। हाकी इंडिया लीग के अनुभव ने मुझे भारतीय हाकी के प्रति लोगों के जुनून को तेजी से समझने में मदद की है।

स्पेन को बड़ा झटका: लामिन यामाल विश्व कप के पहले मैच से बाहर

नई दिल्ली

स्पेन फुटबाल टीम को फीफा विश्व कप 2026 शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार युवा फारवर्ड लामिन यामाल हैमस्ट्रिंग चोट के कारण 15 जून को केप वर्डे के खिलाफ होने वाले शुरुआती मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। यह जानकारी द एथलेटिक की रिपोर्ट में सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, यामाल अभी पूरी तरह फिट नहीं हो सके हैं और उनके 21 जून को सऊदी अरब के खिलाफ होने वाले दूसरे ग्रुप मुकाबले में खेलने पर भी संशय बना हुआ है।

18 वर्षीय यामाल को यह चोट 22 अप्रैल को एफसी बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए सेल्टा वीगो के खिलाफ मैच में लगी थी। उस मुकाबले में पेनल्टी पर गोल करने के दौरान उनकी बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट आ गई थी, जिसके बाद वह क्लब सीजन के बाकी मुकाबलों से बाहर हो गए थे।

दूसरी ओर, बार्सिलोना के ही मिडफील्डर फरमिन लोपेज भी चोटिल होकर लगभग पूरे विश्व कप से बाहर हो गए हैं। रियल बेटिस के खिलाफ मैच के पहले हाफ में उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया, जिसके लिए सर्जरी करानी पड़ेगी।

स्पेन अपना पहला मुकाबला 15 जून को अमेरिका के अटलांटा में केप वर्डे के खिलाफ खेलेगा। इसके बाद टीम 21 जून को सऊदी अरब और 26 जून को उरुग्वे से भिड़ेगी। उरुग्वे के खिलाफ यह मुकाबला मेक्सिको के ग्वाडलाहारा में खेला जाएगा।

फीफा की ताजा पुरुष विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद स्पेन अपनी 26 सदस्यीय विश्व कप टीम की घोषणा अगले सोमवार को करेगा। गौरतलब है कि लामिन यामाल ने यूरो 2024 में शानदार प्रदर्शन कर स्पेन को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। स्पेन के लिए 25 मैचों में उनके नाम 6 गोल दर्ज हैं। वहीं, बार्सिलोना के लिए इस सीजन ला लीगा में 28 मैचों में 16 गोल और सभी प्रतियोगिताओं में 45 मैचों में कुल 24 गोल किए।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है। आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी। ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं। बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं। वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते। कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है। कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी। कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है। कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे।

मलेशिया मास्टर्स 2026 : लक्ष्य सेन पर रहेंगी भारत की निगाहें, सिंधु और सात्विक-चिराग टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली

कुआलालंपुर में आज (मंगलवार) से शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई लक्ष्य सेन करेंगे। हालांकि इस बार भारतीय दल में कई बड़े नाम शामिल नहीं हैं।

भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी. वी. सिंधु, किदांबी श्रीकांत, युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा ने इस बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 प्रतियोगिता से दूरी बनाई है।

विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद लक्ष्य सेन के लिए कुआलालंपुर अब तक खास सफल नहीं रहा है। वह मलेशिया मास्टर्स और मलेशिया ओपन में कभी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सके हैं। पहले दौर में उनका मुकाबला इंडोनेशिया के युवा खिलाड़ी मोहम्मद जाकी उबैदिलाह से होगा, जिन्होंने पिछले जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

यदि लक्ष्य क्वार्टर फाइनल में पहुंचते हैं तो उनका सामना दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से हो सकता है। पुरुष एकल वर्ग में भारत की ओर से एच. एस. प्रणय, किरण जार्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी चुनौती पेश करेंगे। प्रणय ने 2023 में इसी टूर्नामेंट का खिताब जीता था, लेकिन इस बार पहले दौर में उनका मुकाबला जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका से होगा। महिला एकल में भारत की ओर से देविका सिहाग, तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत हिस्सा लेंगी। 17 वर्षीय तन्वी शर्मा पर विशेष नजरें रहेंगी। वह पहले दौर में थाईलैंड की पिचामोन ओपाटनिपुथ से भिड़ेंगी। तन्वी ने पिछले वर्ष यूएस ओपन में इसी खिलाड़ी को हराया था। वहीं, अनमोल खरब भी चर्चा में हैं। पिछले सप्ताह बैंकाक में उन्होंने चीन की विश्व नंबर चार चेन यू फी के खिलाफ निर्णायक गेम में 11-2 की बढ़त गंवा दी थी। इस बार पहले दौर में उनका सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन क्जाएर्सफेल्ट से होगा। पुरुष युगल में भारत की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी हरिहरन अम्साकरुनन और एम. आर. अर्जुन ही ड्रा में शामिल हैं। पहले दौर में उनका मुकाबला फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव और टोमा जूनियर पोपोव की जोड़ी से होगा। महिला युगल में अश्विनी भट्ट-शिखा गौतम तथा रुतुपर्णा पांडा-श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ियां उतरेंगी। मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर-रुत्विका गड्डे और आशित सूर्य-अमृता प्रमुथेश की जोड़ियां भारत की चुनौती पेश करेंगी। भारतीय शटलरों के लिए आगामी तीन महीने बेहद अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप और सितंबर-अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी करनी है।

आरोन हार्डी बने वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के नए शेफील्ड शील्ड कप्तान

नई दिल्ली

आलराउंडर आरोन हार्डी को वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की शेफील्ड शील्ड टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। वह आगामी 2026-27 सीजन से सैम व्हाइटमैन की जगह टीम की कमान संभालेंगे। वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की रेड-बाल टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है।

सैम व्हाइटमैन की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी, 2026-27 सीजन से करेंगे टीम की अगुवाई

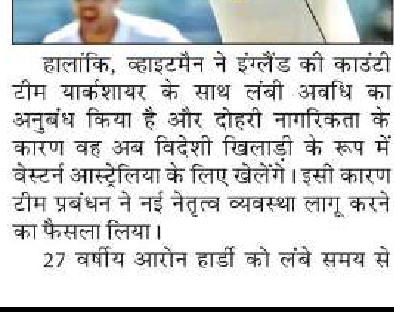

तीन बार शेफील्ड शील्ड खिताब जिताने वाले मुख्य कोच एडम वोग्स के पद छोड़ने के बाद पूर्व आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर ब्यू कैसन को शेफील्ड शील्ड और वनडे कप टीमों का नया मुख्य कोच बनाया गया है। कैसन इससे पहले लंबे समय तक टीम के बल्लेबाजी कोच रहे थे।

सैम व्हाइटमैन ने एडम वोग्स के कार्यकाल में वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए 38 शेफील्ड शील्ड मैचों में कप्तानी की। उनकी कप्तानी में टीम ने 2022-23 और 2023-24 में लगातार दो बार खिताब जीता था। वह जान इनवेररिटी, ग्रेम वुड और टाम मूडी के बाद वेस्टर्न आस्ट्रेलिया को एक से अधिक शील्ड जिताने वाले चौथे कप्तान बने थे।

हालांकि, व्हाइटमैन ने इंग्लैंड की काउंटी टीम यार्कशायर के साथ लंबी अवधि का अनुबंध किया है और दोहरी नागरिकता के कारण वह अब विदेशी खिलाड़ी के रूप में वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए खेलेंगे। इसी कारण टीम प्रबंधन ने नई नेतृत्व व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया।

27 वर्षीय आरोन हार्डी को लंबे समय से भविष्य का कप्तान माना जा रहा था। उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ आस्ट्रेलिया-ए टीम की कप्तानी की थी, जबकि 2025 में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी टीम का नेतृत्व संभाला था। इसके अलावा, 2023-24 बिग बैश लीग में एश्टन टर्नर की गैरमौजूदगी में उन्होंने पर्थ स्कार्चर्स की कप्तानी भी की थी।

कप्तान बनाए जाने पर हार्डी ने वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की ओर से जारी एक बयान में कहा, वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की शेफील्ड शील्ड टीम की कप्तानी मिलना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। यह टीम मेरे लिए बहुत मायने रखती है। हमारे पास शानदार संस्कृति और बेहतरीन खिलाड़ियों का समूह है। मैं ब्यू कैसन और पूरी टीम के साथ नए सीजन में काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने पिछले कुछ वर्षों में टीम के नेताओं और खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखा है। अब मैं अपनी शैली में नेतृत्व करते हुए ऐसा माहौल बनाना चाहता हूं, जहां पूरी टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

मुख्य कोच ब्यू कैसन ने भी हार्डी की कप्तानी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, आरोन हार्डी टीम के भीतर बेहद सम्मानित खिलाड़ी हैं। उनकी तैयारी, दबाव में शांत रहने की क्षमता और साथियों के प्रति उनका व्यवहार उन्हें बेहतरीन कप्तान बनाता है।

कैसन ने सैम व्हाइटमैन की कप्तानी की भी सराहना करते हुए कहा कि उनकी भूमिका टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

गौरतलब है कि हार्डी आस्ट्रेलिया की व्हाइट-बाल टीमों के करीब हैं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण कुछ शेफील्ड शील्ड मुकाबले मिस कर सकते हैं। उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद जून में बांग्लादेश दौरे के लिए आस्ट्रेलिया की टी20 टीम में भी शामिल किया गया है।

मैन्स फैशन का एक बड़ा पार्ट है बैग। अगर आपने सही बैग चुन लिया तो समझिए आपका आधा टशन तो ऐसे ही जम गया। अगर आप सोचते हैं कि फैशन या शो ऑफ सिर्फ फीमेल्स का ही शौक है, तो बता दें कि मेल्स भी इस मामले में पीछे नही है, खासतौर पर यूथ। लुक्स और एक्सेसरीज को लेकर वे महिलाओं से ज्यादा कॉन्शस रहते हैं। खासतौर पर बैग्स की शॉपिंग तो वे बहुत ध्यान से करते हैं।

यूथ के लिए स्टाइलिश बैग...

लड़कों के लिए फैशन की अगर बात करें तो उनके लिए बैग एक ऐसी चीज है जो सबसे ज्यादा जरूरी होती है। लड़के हों या लड़की हर किसी के लिए बैग बहुत जरूरी होते हैं, लेकिन अगर आप एक सही बैग का चुनाव नहीं करेंगे तो आप अपने दोस्तों के बीच मजाक का विषय बन सकते हैं। वैसे तो महिलाओं के लिए कई तरह के डिजाइन में बैग मिल जाते हैं, लेकिन जब बात लड़कों की आती है तो उनके लिए बहुत ही कम डिजाइन मौजूद होते हैं। उनमें से भी कौन सा डिजाइन आपके लिए सही रहेगा यह चुनना भी बहुत कठिन होता है। देखने में आया है कि आमतौर पर यूथ ऐसे बैग्स प्रेफर करते हैं जिनमें उनका सारा सामान आ सके और जो कैरी करने में भी आसान हो। यहां हम आपको ऐसे बैग्स के बारे में बताएंगे, जो कंफर्ट के साथ-साथ आपके फैशन स्टेटमेंट को भी बढ़ा देंगे।

मैसेंजर बैग क्लासिक

मैसेंजर बैग आज के समय को ध्यान में रख कर बनाया गया है। इस बैग में आपको काफी सारे रंग मिल जाएंगे। यह बैग पुराने समय के चमड़े के बैग से अलग है। इस बैग का प्रयोग आप ऑफिस या फिर कॉलेज के लिए कर सकते हैं।

टोटे बैग

टोटे बैग एक क्लासिक बैग की श्रेणी में आता है। अगर आप ऑफिस जाते हैं तो यह बैग आपके लिए सबसे अच्छा रहेगा। इस बैग को एक मुलायम चमड़े से तैयार किया जाता है। यह बैग आपको भूरे या काले रंग में मिल जाएगा। यह बैग दिखने में भी बहुत अच्छा लगता है तथा इसमें आप अपनी जरूरत के अनुसार सामन भी रख सकते हैं।

न्यूज बॉय बैग

यह बैग आजकल बहुत पसंद किया जा रहा है। यह बैग मैसेंजर बैग की ही तरह दिखता है पर इसके डिजाइन में काफी सारे परिवर्तन किए गए हैं, जिसके कारण यह एक अलग लुक देता है। अगर आप कॉलेज जाने के लिए बैग देख रहे हैं तो यह आपके लिए सबसे ज्यादा अच्छा रहेगा।

होबो बैग

न्यूज बॉय बैग की ही तरह यह बैग भी आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। यह बैग भी एक क्लासिक लुक देता है। यह बैग दिखने में काफी छोटा लगता है, लेकिन इसमें आप हर तरह का सामान रख सकते हैं। इस बैग को भी आप ऑफिस व कॉलेज कहीं भी जाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं।

मैसेन्जर बैग

कॉलेज स्टूडेंट में इस बैग को लेकर काफी क्रेज है, क्योंकि यह कैजुअल अपील देता है। शाम को कही घूमने जाने का प्लान है या फ्रेंड्स के साथ कोई गेट-टु गेदर है, कैरी करने में ये बैग्स बेस्ट ऑप्शन हैं। वैसे बैग्स का एक्सटीरियर और इसमें अवेलेबल डिफरेंट कलर्स भी इसके लिए लाइकिंग बढ़ा रहे हैं।

दुफ्फेल बैग

अगर आप कहीं घूमने जाने की सोच रहे हैं तो आप इस बैग का प्रयोग कर सकते हैं। यह बैग दिखने में जितना स्टाइलिश है उतना ही यह मजबूत भी है। अगर आप किसी लंबे सफर पर जाने वाले हैं तो यह बैग बहुत अच्छा रहेगा। इस बैग को भी चमड़े से तैयार किया जाता है जिसका लुक भी काफी अच्छा है।

ब्रीफकेसः ब्रीफकेस हमाशा से ही ट्रेंड में रहे है और आगे भी इनका क्रेज बरकरार रहने वाला है। ऐसा नही है कि ये केवल ऑफिस जाने वालों के लिए ही हैं, बल्कि इस ऑप्शन को आप हर अकेजन पर कैरी कर सकते हैं। वैसे आजकल इनमें आपको अलग-अलग टेक्सचर के साथ लुक्स में भी काफी वैरायटी मिल जाएगी।

ट्रैवल बैग

जिन लोगो को घूमने-फिरने का बहुत शौक है, उनके लिए ट्रैवलिंग बैग पहली पसंद होगी। चाहे आप एक वीक के लिए बाहर जा रहे हैं या फिर प्लान लंबे टूर पर निकलने का है, हर मामले में ये बैग बेस्ट ऑप्शन रहेंगे। दरअसल, एक तो यह उठाने में आसान है और दूसरा इन बैग्स में काफी सामान आ सकता है। इसके अलावा इन बैग्स को मजबूती और स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बिनेशन भी माना जाता है।

कैमरा बैग

इस फैशनेबल टूरिस्ट बैग का इस्तेमाल किसी छोटे ट्रिप पर या साइट सीन पर जा रहे लोग करते हैं। इस बैग को आप कैमरा और हल्का-फुल्का सामान जैसे चार्जर, चाबी या टिकट रखने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके बाहरी एरिया में लगा लैदर जहां आपको एक अलग लुक देगा, वहीं इससे क्लासी फैशन स्टैटमेंट भी मिलती है।

स्पोर्ट्स वीयर नापेंगे दिल की धड़कन...

टोक्यो विश्ववद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक नई स्याही का ईजाद किया है जिसका उपयोग टेक्सटाइल उद्योग में स्पोर्ट्स वीयर व अंडर वीयर की रंगाई में किया जाएगा। इसकी खास विशेषता है कि यह रंग करंट का सुचालक होगा और इससे स्पोर्ट्स वीयर को पहनने वाले खिलाड़ी के दिल की धड़कन की गति व मांसपेशी में हो रही संकुचन को मापा जा सकेगा। इस स्याही का प्रयोग करते हुए शोधकर्ताओं ने एक सेंसर को भी बनाया जिसे खिलाड़ी अपनी रिस्ट पर बांध सकेंगे। चूंकि पूरा का पूरा परिधान ही बिजली का सुचालक होगा, इसलिए हाथ में बंधा सेंसर खिलाड़ी के शारीरिक परिवर्तनों को माप सकेगा। खिलाड़ी के हाथ में बंधा सेंसर डिवाइस 4×4 सेंटीमीटर के क्षेत्र में प्रभावी होगा। ऐसा करने के लिए इसमें नौ इलेक्ट्रोड लगे होंगे। शोधकर्ताओं के मुताबि इसका उद्देश्य ऐसे डिवाइस का निर्माण करना था जिसे आसानी से पहना जा सके और यह स्याही उसी प्रोजेक्ट पर रिजल्ट है। इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी बाधा स्याही के कंडक्शन व इसके फैलाव का था। हालांकि इस स्याही के आ जाने से यह संभव हो पाया। अभी तक उपलब्ध प्रिंट किया जाने वाला इलेक्ट्रोनिक आईटम जैसे ट्रांजिस्टर, डायोड व सोलर पैनल को सिर्फ कागज या प्लास्टिक के पदार्थो पर प्रिंट किया जा सकता था लेकिन अब इस स्याही के आ जाने से इन आईटमों को कपड़े पर भी प्रिंट किया जा सकेगा। साथ ही इस स्याही की यह भी विशेषता है कि इसके प्रयोग में कठिन विधियों से नहीं गुजरना पड़ता है। यह स्याही चांदी, फ्लोरीन व रबड़ से बनाई जाती है। इस स्याही से रंगे कपड़े अपने आकार के तीन गुने एलास्टिक होते हैं। चांदी की मौजूदगी के कारण यह बिजली के सुचालक भी होते हैं।

जिम में भी दिखें स्टाइलिश...

आजकल हर कोई स्टाइलिश दिखने की चाहत रखता है, चाहे वह लड़का हो या फिर लड़की। कॉलेज और ऑफिस में तो अक्सर आप स्टाइलिश बनकर जाते ही हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि आप जिम में भी स्टाइलिश लग सकते हैं। जिमिंग के लिए ट्रैक पैंट्स काफी आरामदायक रहती हैं। इन्हें पहन कर आप आराम से जिमिंग कर सकते हैं। ध्यान रहे कि जिमिंग करते समय कभी भी स्किनी फिट पैंट्स नहीं पहननी चाहिए क्योंकि स्किनी पैंट्स पहनकर आप अच्छे से हिल डुल नहीं पाते। अगर आपको जिमिंग करते हुए कुछ समय हो गया है और अपनी बॉडी को आप फ्लांट करना चाहते हैं तो इसके लिए टैंक टॉप्स एक बेहतर विकल्प है। वर्कवाउट करते समय सिर्फ कपड़ों पर ही ध्यान न दें। आप जिमिंग के लिए जूतों पर भी खास ध्यान दें। इसके लिए आपको जूतों की स्थिरता और ग्रिप पर भी खास ध्यान देना चाहिए। जिस तरह की एक्सरसाइज आप करते हैं, उसी हिसाब से ही जूते पहनें।

प्राकृतिक खुशबू पाएं...

लड़कों में लड़कियों की तुलना में ज्यादा पसीना आता है, अधिकतर मामलों में यह उनके हार्मोन्स के कारण होता है। यदि आप नियमित रूप से वर्क आउट करते हैं तो आपकी पसीने की ग्रंथियां ज्यादा काम करती हैं जिससे शरीर से पसीने की बदबू आने लगती है। यदि शरीर पर पसीना ज्यादा आता है तो बैक्टीरिया ज्यादा पैदा होते हैं जिनसे शरीर से बदबू आती है और त्वचा पर खुजली चलती है। परफ्यूम्स और डियोडरेंट इस्तेमाल करने से शरीर से बदबू नहीं आती है, लेकिन प्राकृतिक रूप से शरीर से अच्छी खुशबू आनी चाहिए। बैक्टीरियारोधी साबुन से नहाने से शरीर के बैक्टीरिया मर जाते हैं और पसीना कम बनता है जिससे शरीर से बदबू नहीं आती है। सूती टी शर्ट या शर्ट पसीने को जल्दी सोख लेते हैं और आपकी कांखें फ्रेश रहती हैं और बदबू पैदा नहीं होती है।

कैसे लें परफेक्ट शॉर्ट्स...

लोग अक्सर यही सोचते हैं कि शॉर्ट्स कुछ ऐसे पहनें जिससे वे अलग लगे। अगर हम बात करें शॉर्ट्स की तो ये मार्केट में हर तरह के उपलब्ध है। शॉर्ट्स एक ऐसी चीज हैं जो हर लड़के को पसंद आते हैं। शॉर्ट्स कमर्फट होते हैं और ये आपको एक स्मार्ट लुक भी देते हैं। तो हम आपको इसी बात की सलाह देंगे कि आप अपने लिए अलग-अलग रंगों में शॉर्ट्स ले सकते हैं। इस तरह के शॉर्ट्स आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करते हैं। अक्सर यह देखा गया है कि लड़के अपने लिए शॉर्ट्स तो ले लेते हैं, लेकिन लेते समय उन्हें यह पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए किस तरह के शॉर्ट्स लेने चाहिए। जिसके कारण अक्सर वे अपने लिए गलत शॉर्ट्स का ही चुनाव करते हैं। अगर आप भी शॉर्ट्स लेने की सोच रहे हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं जिसकी मदद से आप अपने लिए एक सही शॉर्ट्स का चुनाव कर सकते हैं।

घुटनों तक लंबा

ज्यादातर लड़कों को ये पता ही नहीं होता है कि उन्हें अपने लिए कितने लंबे शॉर्ट्स लेने चाहिए। अगर आप को भी इस बात की जानकारी नहीं है तो हम आपको बता दें कि आप जब भी शॉर्ट्स लें तो उन्हें कम से कम अपने घुटनों तक लंबा लें। वैसे अगर आप एथलीट शॉर्ट्स लेते हैं तो ये आपको घुटनों से ऊपर ही मिलेंगे क्योंकि इन्हें स्पोर्ट्स खेलने वाले लड़कों के लिए डिजाइन किया जाता है।

ज्यादा टाइट न हो

आप जब भी अपने लिए शॉर्ट्स लें तो इस बात का ध्यान रखें कि वो ज्यादा टाइट न हो और न ही ज्यादा ढीले हों। आप अपने शरीर के आकार को ध्यान में रख कर ही शॉर्ट्स का चुनाव करें।

रंगों का भी ध्यान रखें

शॉर्ट्स लेते समय उनके रंगों पर भी ध्यान देना चाहिए। आप जब भी शॉर्ट्स खरीदें तो उन्हें लाल, नीले या हरे आदि रंगों में ही लें। ये रंग शॉर्ट्स में अच्छे लगते हैं और ये हर किसी के साथ मैच भी कर जाते हैं।

पॉकेट का डिजाइन

आप जब शॉर्ट्स लें तो उनकी पॉकेट पर भी जरूर ध्यान दें क्योंकि लड़कों के लिए डिजाइन किये जाने वाले शॉर्ट्स में उन्हें स्टाइलिश बनाने के लिए पॉकेट का भी प्रयोग किया जाता है। तो अच्छा होगा कि आप जो भी शॉर्ट्स लें उनकी पॉकेट के डिजाइन को भी जरूर देखें।

लुक में चार चांद लगाती घड़ियां...

जिस तरह लड़कियों को एक्सेसरीज पहना पसंद होता है, उसी तरह लड़कों को भी एक्सेसरीज पसंद आती हैं। हम जानते हैं कि अब आप ये सोच रहे होंगे कि लड़कियों के लिए तो बहुत सी एक्सेसरीज मिल जाती हैं, लेकिन लड़कों के लिए तो बहुत कम ही होती हैं। वैसे कहीं न कहीं यह बात सही भी है, लेकिन लड़कों की एक्सेसरीज में एक चीज ऐसी है जो कि आपको हर लड़के के पास देखने को मिल जाएगी। जी हां, हम बात कर रहे हैं घड़ियों की।

अगर आप हर समय फैशनेबल लगना पसंद करते हैं तो घड़ी एक ऐसी चीज है जो हर समय फैशन में बनी रहती है और मात्र एक घड़ी से आप अपने पूरे लुक में चार चांद लगा सकते हैं। घड़ियां ऐसी एक्सेसरीज हैं जो कि लड़के हों या लड़कियां हर किसी को पसंद आती हैं। इसी कारण आजकल डिजाइनर्स भी अनेकों डिजाइन्स की घड़ियों को बाजार में उतार रहे हैं।

अगर आप मार्केट में जाएं और सोचें कि आप अपने लिए एक सिम्पल सी घड़ी ही लेंगे तो हो सकता है मार्केट में मौजूद अलग-अलग डिजाइन को देख कर आप भी कन्फ्यूज हो जाएं। आज हम आपको ऐसी घड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनके बारे में हर लड़के को पता होना चाहिए। साथ ही ये घड़ियां आपके हर तरह के ड्रेस के साथ बहुत अच्छी लगेंगी।

ड्रेस वॉच

ड्रेस वॉच एक ऐसी वॉच होती है जो दिखने में बहुत साधारण लगती है। इसमें नंबर्स को दिखाने के लिए रेखाओं का प्रयोग किया जाता है तथा इसमें नंबर्स को ज्यादा कॉम्प्लिकेटिव नहीं रखा जाता है। यह वॉच आपको बैंड लेदर में भी मिल जाएगी। इतना ही नहीं आप बैंड के रंगों के अनुसार भी अपने लिए इस वॉच को पसंद कर सकते हैं। अगर आप कैजुअल पहनना पसंद करते हैं तो यह वॉच इस तरह के कपड़ों के साथ बहुत अच्छी लगती है।

फील्ड वॉच

फील्ड वॉच दिखने में बहुत बड़ी होती है तथा इसमें नंबर्स को भी काफी बड़ा दिखाया जाता है। जिससे कि अगर आप अचानक भी अपनी घड़ी की तरफ देखें तो आपको समय का ज्ञान हो जाए। वैसे आजकल ये वॉच छोटे आकार में भी मिल जाती है। इस वॉच के बैंड को बनाने के लिए नाइलॉन का प्रयोग किया जाता है।

एविएटर वॉच

एविएटर वॉच भी फील्ड वॉच की ही तरह दिखती है, लेकिन आजकल इसके डिजाइन में काफी बदलाव किया गया है। इस वॉच में आपको काले रंग के बैकग्राउंड के साथ सफेद रंग के नंबर्स मिलेंगे तथा इसके अलावा इसमें आपको वॉच को रोकने और चलाने के लिए बटन भी मिलेंगे जो इसके लुक को और घड़ियों से अलग बनाते हैं।

रेसिंग वॉच

रेसिंग वॉच में आपको बहुत सारे रंग देखने को मिल जाएंगे। ये अन्य वॉच की तरह एक-दो रंग में नहीं मिलती है। इस वॉच में आपको एक साथ कई रंगों का मिश्रण मिल जाएगा। अगर आप अपने लिए कुछ ऐसा देख रहे हैं जो कि थोड़ा फंकी हो तो आप इन घड़ियों का प्रयोग कर सकते हैं।

डिवे वॉच

डिवे वॉच की एक सबसे बड़ी खूबी ये है कि ये घड़ियां पानी के संपर्क में आकर खराब नहीं होती हैं। इतना ही नहीं इस घड़ी में अगर आप अंधेरे में समय देखना चाहते हैं तब भी देख सकते हैं, क्योंकि इस घड़ी के नंबर्स अंधेरे में चमकने लगते हैं। इससे ये अंधेरे में भी समय देखने में मदद करती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)